गुजरात में पिछले कई दिनों से भारी बारिश का सिलसिला जारी है। राज्य के कई हिस्सों में बाढ़ के हालात हैं। मौसम विभाग ने बुधवार 28 अगस्त के लिए रेड अलर्ट जारी कर दिया है। राज्य के कई जिलों में भारी बारिश के चलते स्कूलों को बंद रखने का ऐलान किया गया है।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:256 दिनांक:28-08-2024 बुधवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

बीजेपी सांसद कंगना रनौत के किसानों को लेकर हाल ही में दिए गए बयान ने राजनीतिक विवाद को जन्म दे दिया है। खासकर चुनावी राज्य हरियाणा में कांग्रेस ने इस मुद्दे पर बीजेपी और कंगना रनौत को कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा है।

गुजरात में बाढ़! 28 जिलों में रेड अलर्ट, 6 जिलों में ऑरेंज अलर्ट, बांध लबालब

अहमदाबाद,27 अगस्त

गुजरात में रेड अलर्ट और ऑरेंज अलर्टः गुजरात में भारी बारिश के कारण तबाही का मंजर पैदा हो गया है. राज्य के कई जिलों में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गयी है. गुजरात में पिछले 24 घंटों में 251 तालुका में बारिश हुई है. सबसे ज्यादा बारिश मोरबी के टंकारा और पंचमहल के मोरवाहदफ में दर्ज की गई है. अब तक 14 इंच बारिश हो चुकी है।

मौसम विभाग ने आज 27 अगस्त को भारी बारिश के कारण गुजरात के 28 जिलों में रेड अलर्ट और 6 जिलों में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया है। गुजरात के कई शहरों में सुबह से ही बारिश हो रही है. अहमदाबाद, वडोदरा, सूरत, राजकोट, नवसारी, खेड़ा, पंचमहल, मोरबी और कच्छ में बाढ़ जैसे हालात हो गए हैं। कई क्षेत्र अछूत हो गए हैं.

सुबह 6 बजे से रात 10 बजे तक राज्य में सबसे ज्यादा बारिश राजकोट शहर में 142 मिमी हुई, जबकि राजकोट के लोधिका में 125 मिमी, कोटडा सांगानी में 92 मिमी, चोटिला में 87 मिमी, खेड़ा के महुधा में 82 मिमी, द्वारका में 72 मिमी हुई। .स, कल्याणपुर में 70 मिमी, थानगढ़ और वांकानेर में 66 मिमी, जूनागढ़ के केशोद में 61 मिमी, भनवाद में 59 मिमी, विसावदर और खंभालिया में 55 मिमी, चुडा, गोंडल और मेंदारा में 51 मिमी। जबकि 188 तालुका में 50 मिमी बारिश हुई है। पिछले 24 घंटों में गुजरात के 14 तालुकाओं में अब तक 10 इंच और 100 तालुकाओं में 4 इंच से ज्यादा बारिश हुई है.

मौसम विभाग ने अहमदाबाद, सूरत, वडोदरा, डांग, दाहोद, कच्छ, मोरबी, सुरेंद्रनगर, जामनगर, राजकोट, द्वारका, पोरबंदर, गिर सोमनाथ, जूनागढ़, पंचमहल, दाहोद, तापी, नवसारी, वलसाड, बोटाद, अमरेली, आनंद, को चेतावनी दी है। खेड़ा, महिसागर, नर्मदा में रेड अलर्ट घोषित किया गया है. जबकि गांधीनगर, बनासकांठा, मेहसाणा, पाटन, साबरकांठा और अरावली में ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। गुजरात में अब तक सीज़न की 99.66 प्रतिशत बारिश हुई है, जिसमें कच्छ में 117 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में 108 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 102 प्रतिशत, मध्य पूर्व गुजरात में 99 प्रतिशत और उत्तरी गुजरात में 80 प्रतिशत बारिश हुई है।

एनडीआरएफ-एसडीआरएफ की टीमें तैनात

आपको बता दें कि बारिश प्रभावित जिलों में एनडीआरडी की 13 टीमें और एसडीआरएफ की 22 टीमें तैनात की गई हैं. जिससे बचाव और राहत कार्यों में मदद मिल रही है. राज्य में इस सर्वव्यापी बारिश के तहत 76 जलाशय यानी 100 प्रतिशत भरे हुए हैं जबकि 46 जलाशय-बांध 70 से 100 प्रतिशत के बीच हाई अलर्ट पर हैं। इसके अलावा राज्य के 23 बांधों को 50 फीसदी से 70 फीसदी तक भरने पर अलर्ट किया गया है. जबकि 30 बांध 25 से 50 फीसदी के बीच और 31 बांध 25 फीसदी से कम भरे हैं.

गुजरात की जीवदोरी समाना सरदार सरोवर योजना में वर्तमान में 2,90,547 एमसीएफटी। यानी कुल भंडारण क्षमता का 87 फीसदी रिकॉर्ड किया जा चुका है. जबकि इसके अलावा प्रदेश के अन्य 206 जलाशयों में 4,07,440 एमसीएफटी. यानी कुल भंडारण क्षमता का 72.73 फीसदी रिकॉर्ड किया गया है. इस प्रकार कुल 207 जलाशयों में 78 प्रतिशत से अधिक जल संग्रहण हो चुका है।

एनडीए को राज्यसभा में भी बहुमत, उपचुनाव में भाजपा के नौ और सहयोगी दलों के दो सदस्यों का निर्विरोध निर्वाचन

नई दिल्ली (ईएमएस)। राज्यसभा के लिए हुए उपचुनाव में भाजपा के नौ और सहयोगी दलों के दो सदस्यों के निर्विरोध चुने जाने के बाद सत्तारूढ़ एनडीए राज्यसभा में बहुमत के आंकड़े तक पहुंच गया है. नौ और सदस्यों के जुड़ने के साथ राज्यसभा में भाजपा की ताकत 96 तक पहुंच गई है वहीं एनडीए 112 पर पहुंच गया है. निर्विरोध निर्वाचित होने वाले दो अन्य लोगों में एनडीए के सहयोगी एनसीपी अजित पवार गुट के नितिन पाटिल और राष्ट्रीय लोक मंच से उपेंद्र कुशवाहा शामिल हैं.

वहीं कांग्रेस का भी एक सदस्य निर्वाचित हुआ है, जिससे राज्यसभा में विपक्ष की संख्या 85 हो गई.

राज्यसभा में 245 सीटें हैं, हालांकि वर्तमान में आठ सीटें खाली हैं. चार जम्मू-कश्मीर से और चार मनोनीत. सदन की मौजूदा सदस्य संख्या 237 के साथ बहुमत का आंकड़ा 119 है.

निर्विरोध चुने गए भाजपा उम्मीदवारों में असम से मिशन रंजन दास और रामेश्वर तेली, बिहार से मनन कुमार मिश्रा, हरियाणा से किरण चौधरी, मध्य प्रदेश से जॉर्ज कुरियन, महाराष्ट्र से धिर्य शील पाटिल, ओडिशा से ममता मोहंता, त्रिपुरा से भट्टाचार्जी और राजस्थान से रवनीत सिंह बिट्टू और राजीव शामिल हैं.

तेलंगाना से कांग्रेस के अभिषेक मनु सिंघवी निर्विरोध चुने गए हैं. वहीं राकांपा अजित पवार गुट के नितिन पाटिल महाराष्ट्र से निर्वाचित हुए और आरएलएम के उपेंद्र कुशवाह बिहार से उच्च सदन में पहुंचे हैं.

एनडीए पिछले एक दशक से राज्यसभा में बहुमत का आंकड़ा हासिल करने की कोशिश कर रहा है. इससे उसके लिए विधेयकों को पारित कराना और आसान हो जाएगा.

विज्ञापनों से जुड़े केंद्र के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट की रोक

-नियम 170 के मुताबिक, लाइसेंसिंग अथॉरिटी के अप्रूवल के बिना आयुर्वेदिक, सिद्ध और यूनानी दवाओं का विज्ञापन नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली (ईएमएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स, 1945 के नियम 170 हटाने के केंद्र के फैसले पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने इससे जुड़ा आयुष मंत्रालय का नोटिफिकेशन भी रद्द कर दिया है। नियम 170 आयुर्वेदिक, सिद्ध या यूनानी दवाओं के भ्रामक विज्ञापनों पर रोक लगाता है। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने केंद्र को फटकार लगाई। कहा कि मंत्रालय का नोटिफिकेशन उसके 7 मई, 2024 के आदेश के खिलाफ है। सरकार कोर्ट के आदेश के बावजूद नियम 170 हटाने का फैसला कैसे कर सकते हैं?

दरअसल, केंद्र ने 29 अगस्त, 2023 को एक लेटर जारी किया था। इसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को नियम 170 के तहत कंपनियों पर कोई कार्रवाई शुरू या नहीं करने को कहा गया था। नियम 170 को 2018 में ड्रग्स एंड कॉस्मेटिक्स रूल्स,1945 में जोड़ा गया था। इसमें कहा गया कि आयुर्वेदिक, सिद्ध और यूनानी दवाएं, जिस राज्य या केंद्र शासित प्रदेश में बन रही है, वहां की लाइसेंसिंग अथॉरिटी के अप्रूवल के बिना विज्ञापन नहीं दिया जा सकेगा।

जस्टिस कोहली ने कहा कि नियम 170 हटाने का क्या मतलब है। प्रकाशन से पहले विज्ञापनों पर प्रतिबंध या जांच लगाने के लिए नियम 170 लगाई गई थी। इसकी वापसी का मतलब है कि विज्ञापनों की जांच उसके छपने या प्रसारित होने के बाद ही की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट ने मामले पर केंद्र से जवाब भी मांगा है। कोर्ट ने कहा कि सरकार से स्पष्टीकरण मिलने तक नियम 170 को हटाने वाली 1 जुलाई, 2024 की अधिसूचना स्थगित रहेगी। यानी कंपनियों के लिए यह कानून लागू रहेगी।

सुप्रीम कोर्ट में 7 मई को पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन केस की सुनवाई के दौरान नियम 170 का मुद्दा उठा था। दरअसल, पतंजलि पर कोविड वैक्सीनेशन, एलोपैथी के खिलाफ निगेटिव प्रचार और खुद की आयुर्वेदिक दवाओं से कुछ बीमारियों के इलाज का झूठा दावा करने का आरोप है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की ओर से 17 अगस्त 2022 को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की गई थी। 7 मई, 2024 को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने आयुष मंत्रालय के लेटर पर केंद्र से सवाल किया था। कोर्ट ने पूछा कि आपने नियम 170 के तहत कोई कार्रवाई नहीं करने के लिए क्यों कहा है? सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद केंद्र ने आयुष मंत्रालय 1 जुलाई, 2024 को लेटर वापस ले लिया था। हालांकि, केंद्र ने लेटर वापस लेने के बाद एक नोटिफिकेशन जारी किया और इस नियम को पूरी तरह से हटा दिया था।

11 साल बाद जेल से बाहर आया आसाराम

जोधपुर(ईएमएस)। नाबालिग के साथ यौन शोषण के आरोप में जोधपुर सेंट्रल जेल में आजीवन कारावास की सजा काट रहा आसाराम मंगलवार को इलाज के लिए पुणे रवाना हो गए। आसाराम 11 साल बाद जेल से बाहर आया है। आसाराम सात दिन तक पुणे में खपोली स्थित माधव बाग हॉस्पिटल में हार्ट का इलाज करवाएगा। बता दें कि आसाराम को 13 अगस्त को राजस्थान हाईकोर्ट ने सात दिन की पैरोल दी थी। पैरोल की अवधि को हॉस्पिटल में पहुंचने के समय से गिना जाएगा। आसाराम के साथ उसकी सेविका शिल्पी भी थी। आसाराम जिस एंबुलेंस से एयरपोर्ट पहुंचे, उसे स्पेशल गेट से एंट्री दी गई।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन से की बातचीत, भारत-रूस विशिष्ट रणनीतिक पर हुई चर्चा

नई दिल्ली (ईएमएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। प्रधानमंत्री ने पिछले माह 22वें भारत-रूस द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए रूस की अपनी सफल यात्रा का स्मरण किया। दोनों नेताओं ने अनेक द्विपक्षीय मुद्दों पर प्रगति की समीक्षा की तथा भारत और रूस के बीच विशिष्ट एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ बनाने के उपायों पर चर्चा की। उन्होंने परस्पर हित के विभिन्न क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचारों का आदान-प्रदान किया।

दोनों नेताओं ने रूस-यूक्रेन संघर्ष पर अपने विचारों का आदान-प्रदान किया। प्रधानमंत्री ने यूक्रेन की अपनी हाल की यात्रा से प्राप्त अन्तर्दृष्टि साझा की। उन्होंने संघर्ष के स्थायी और शांतिपूर्ण समाधान के लिए सभी हितधारकों के बीच संवाद और कूटनीति के साथ-साथ ईमानदार और व्यावहारिक सहयोग के महत्व को रेखांकित किया। दोनों नेताओं ने एक दूसरे के संपर्क में बने रहने पर सहमति व्यक्त की।

कंगना को दो करोड़ की मानहानि का नोटिस

बैतूल (ईएमएस)। भाजपा सांसद कंगना रनौत को किसान संघर्ष समिति ने उनके किसान आंदोलन पर दिए बयानके बाद मानहानि का नोटिस भेजा है। उन्हें एकसप्ताह में अपने बयान पर सार्वजनिक माफी मांगने को कहा गया है। ऐसानहींकरनेपर समिति उनके खिलाफ आपराधिक और सिविल मामला दायर करेगी। नोटिस में कंगना से 2 करोड़ रु की आर्थिक क्षति की मांग भी की गई है। किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष पूर्व विधायक डॉक्टर सुनीलम ने अपने वकील गुरुदत्त शर्मा के जरिए मंगलवार को यह नोटिस भेजा है। रजिस्टर्ड डाक से भेजेगएनोटिस में किसान संघर्ष समिति ने कंगनाकेबयान को बेहद आहत करने वाला बताया है। यहनोटिस उनके मनाली स्तिथ एड्रेस पर भेजा गया है, जिसमें पक्षकार किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष डॉक्टर सुनीलम को बनाया गया है।

पार्किंसंस रोग के प्रबंधन के लिए दवा की खुराक के समायोजन के लिए नया स्मार्ट सेंसर विकसित

नई दिल्ली (ईएमएस)। वैज्ञानिकों ने एक किफायती, उपयोगकर्ता के अनुकूल, पोर्टेबल स्मार्टफोन-आधारित फ्लोरोसेंस टर्न-ऑन सेंसर प्रणाली विकसित की है जो पार्किंसंस बीमारी की रोकथाम में सहायता प्रदान कर सकती है। यह सेंसर शरीर में एल-डोपा की सांद्रता का सटीक पता लगाने में मदद करेगा, जिससे इस रोग की प्रभावी रोकथाम के लिए आवश्यक सटीक खुराक का निर्धारण करने में मदद मिलेगी। पार्किंसंस रोग को न्यूरॉन कोशिकाओं में लगातार गिरावट से पहचाना जाता है जिससे हमारे शरीर में डोपामाइन (न्यूरोट्रांसमीटर) के स्तर में काफी कमी आ जाती है। एल-डोपा एक रसायन है जो हमारे शरीर में डोपामाइन में परिवर्तित हो जाता है, इसलिए यह एंटी-पार्किंसंस दवाओं के रूप में कार्य करता है।

यह डोपामाइन की कमी को पूरा करने में मदद करता है। जब तक शरीर को एल-डोपा की सही मात्रा दी जाती है, तब तक यह रोग नियंत्रण में रहता है। हालांकि, पार्किंसंस की प्रगामी प्रकृति के कारण, जैसे-जैसे रोगी की उम्र बढ़ती है, न्यूरॉन्स की निरंतर हानि को पूरा करने के लिए अधिक एल-डोपा की आवश्यकता होती है। हालांकि, एल-डोपा की अधिक मात्रा से रोगी में डिस्केनेसिया, गैस्ट्राइटिस, साइकोसिस, पैरानोया ऑर्थोस्टेटिक हाइपोटेंशन जैसे गंभीर दुष्प्रभाव भी हो सकते हैं, जबकि एल-डोपा की बहुत कम मात्रा से पार्किंसंस के लक्षण वापस आ सकते हैं।

अभी हाल में, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग के एक स्वायत्त संस्थान, विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उन्नत अध्ययन संस्थान (आईएएसएसटी) ने जैविक नमूनों में एल-डोपा के निम्न स्तर का तुरंत पता लगाने के लिए फ्लोरोसेंस टर्न-ऑन मैकेनिज्म का उपयोग करते हुए एक किफायती, उपयोगकर्ता के अनुकूल, पोर्टेबल स्मार्टफोन-आधारित ऑप्टिकल सेंसर प्रणाली विकसित की है।

केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 सितंबर तक बढ़ी

नई दिल्ली (ईएमएस)। दिल्ली शराब नीति से जुड़े सीबीआई केस में सीएम अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत मंगलवार को 3 सितंबर तक बढ़ा दी गई है। केजरीवाल तिहाड़ जेल से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश हुए। उन्होंने कोर्ट को बताया कि उनका शुगर लेवल डाउन हो रहा है। इसी वजह से लंच करने की इजाजत मांगी है। सीबीआई ने 14 दिन की ज्यूडिशियल कस्टडी की मांग की थी, लेकिन अदालत ने एक हफ्ते ही हिरासत बढ़ाई। इससे पहले 20 अगस्त को लोअर कोर्ट ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 27 अगस्त तक के लिए बढ़ा दी थी।

दरअसल, दिल्ली हाईकोर्ट ने 5 अगस्त को केजरीवाल की सीबीआई की गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करदी थी। साथ ही जमानत के लिए लोअर कोर्ट जाने को कहा था। 23 अगस्त को सीबीआई ने कोर्ट को बताया कि उन्हें शराब नीति मामले में अरविंद केजरीवाल और आप विधायक दुर्गेश पाठक पर केस चलाने की मंजूरी मिल गई है।

चंपाई सोरेन भाजपा में होंगे शामिल

दिल्ली (ईएमएस)। झारखंड के पूर्व सीएम चंपाई सोरेन 30 अगस्त को भाजपा में शामिल होंगे। असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा ने सोमवार रात सोशल मीडिया एक्स पर लिखा- चंपाई सोरेन ने कुछ देर पहले केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। वे रांची में आधिकारिक रूप से भाजपा में शामिल होंगे। दिल्ली में 25 अगस्त को गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात के बाद चंपाई को जेड प्लस सुरक्षा दे दी गई है। झारखंड पहुंचने के बाद वे इसी सुरक्षा घेरे में रहेंगे। चंपाई 28 अगस्त को झारखंड कैबिनेट से इस्तीफा दे सकते हैं।

कूनों में एक और चीता शावक की मौत

-कूनो में अब तक 12 चीतों की हो चुकी है मौत

श्योपुर(ईएमएस)। कूनो नेशनल पार्क में मंगलवार को एक चीते की मौत की दुखद खबर सामने आई। वन विभाग के हवाले से सूचना मिली कि नामीबियाई नर चीता पवन की मौत हो गई है। इससे पहले पांच अगस्त को भी अफ्रीकी चीता गामिनी के पांच महीने के शावक की मौत हो गई थी। अब तक कूनो में 6 वयस्क और 6 शावकों की मौत हो चुकी है।

एपीसीसीएफ एवं निदेशक, लायन प्रोजेक्ट उत्तम कुमार शर्मा के अनुसार मंगलवार सुबह लगभग 10.30 बजे नामीबियाई नर चीता पवन एक नाले के किनारे झाड़ियों के बीच बिना किसी हलचल के पड़ा हुआ पाया गया। बारिश के कारण नाला लबालब भरा हुआ था। पशु चिकित्सकों को सूचित किया गया और करीब से निरीक्षण करने पर पता चला कि सिर सहित शरीर का अगला हिस्सा पानी के अंदर था और शरीर पर कहीं भी कोई बाहरी चोट नहीं दिखी। प्रारंभिक तौर पर मौत का कारण डूबने से लग रहा है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद आगे की जानकारी पता चलेगी। पवन की मौत के बाद कूनो नेशनल पार्क में अब 24 चीते बचे हैं, जिनमें 12 वयस्क और 12 शावक शामिल हैं।

विधानसभा में बिल पास, राज्यपाल की मंजूरी बाकी, केंद्रीय कैबिनेट भी दे चुकी मंजूरी

हिमाचल में 21 साल में होगी लड़कियों की शादी

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में लड़कियों के विवाह की न्यूनतम उम्र 21 साल करने का विधेयक विधानसभा में पारित हो गया है। मानसून सत्र में मंगलवार को सोशल जस्टिस मिनिस्टर धनीराम शांडिल ने बाल विवाह प्रतिषेध (हिमाचल प्रदेश संशोधन विधेयक, 2024) प्रस्तुत किया। इसे बिना चर्चा के सर्वसम्मति से पास कर दिया गया। अब इस बिल को मंजूरी के लिए राज्यपाल को भेजा जाएगा। भारत में अभी लडक्रों की शादी की उम्र 21 साल और लड़कियों की 18 वर्ष है। लड़कियों की उम्र बढ़ाने से इसमें एकरूपता आएगी। इससे पहले हिंदू मैरिज एक्ट, 1955 में विवाह की उम्र लडक्रों के लिए 18 साल और लड़कियों के लिए 15 साल थी। साल 1978 में लड़कियों की शादी की उम्र 15 साल से बढ़ाकर 18 साल और लडक्रों की 18 से बढ़ाकर 21 साल की गई थी।

शादी के लिए लडक्रा-लडक्री की उम्र में एकरूपता लाने के लिए राज्य सरकार ने लड़कियों की शादी की उम्र में 3 साल का इजाफा कर रही है। इसके संशोधित ड्राफ्ट को राज्य मंत्रिमंडल ने 7 महीने पहले ही मंजूरी दे दी थी। मंगलवार को सदन में संशोधन विधेयक पास हो गया। इससे पहले केंद्र सरकार ने भी संसद में बिल पेश किया था, लेकिन विरोध के चलते अब तक लागू नहीं हो पाया। सोशल जस्टिस मिनिस्टर धनीराम शांडिल ने बताया कि शादी की उम्र बढऩे से लड़कियों को जीवन में आगे बढऩे के अवसर मिलेंगे। अभी कुछ लोग लड़कियों की छोटी उम्र में शादी कर देते हैं। इससे बच्चियां पढ़ाई नहीं कर पाती और जीवन में आगे नहीं बढ़ पाती। उन्होंने कहा कि सरकार चाहती है कि शादी की उम्र बढ़ाकर उन्हें कुपोषण से बचाया जाए, क्योंकि जल्दी शादी के कारण मां बनने से उनके स्वास्थ्य पर कई बार बुरा असर पड़ता है। कई महिलाएं अपने करियर में भी आगे नहीं बढ़ पाती हैं।

अभी संसदीय पैनल के विचाराधीन है मामला

केंद्र सरकार भी लड़कियों की शादी की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 साल करने का निर्णय ले चुकी है। लड़कियों के लिए शादी की न्यूनतम उम्र को 18 वर्ष से बढ़ाकर 21 साल करने के प्रस्ताव को केंद्रीय कैबिनेट ने दिसंबर 2020 में मंजूरी दी। तब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 15 अगस्त 2020 को लाल किले की प्राचीर से इस प्रस्ताव की घोषणा करते हुए इसकी जानकारी दी थी। पीएम मोदी ने महिलाओं के लिए विवाह की न्यूनतम उम्र बढ़ाने के फैसले को लड़कियों को कुपोषण से बचाने के लिए जरूरी बताया था। पीएम ने इसके पीछे की वजह बताते हुए कहा था कि सरकार बेटियों और बहनों के स्वास्थ्य को लेकर हमेशा से चिंतित रही है। बेटियों को कुपोषण से बचाने के लिए, ये जरूरी है कि उनकी शादी सही उम्र में हो। अभी यह मामला संसदीय पैनल के सामने विचाराधीन है। इस विधेयक पर अंतिम निर्णय के लिए संसदीय पैनल को एक साल और समय दिया गया है।

जम्मू कश्मीर में एनसी को ज्यादा सीटें देने पर कांग्रेस नेता नाखुश

श्रीनगर,(ईएमएस)। जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। चुनावों में नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ सीट बंटवारे को लेकर कांग्रेस के कुछ नेता नाराज हैं। कांग्रेस के एक धड़े का कहना है कि नेशनल कॉन्फ्रेंस को ज्यादा सीटें मिल रही हैं। कई नेताओं का कहना है कि सीट बंटवारे में जम्मू की हिंदू बहुल सीटें नेशनल कॉन्फ्रेंस के हिस्से में आई हैं।

राज्य में नेशनल कॉन्फ्रेंस और कांग्रेस मिलकर चुनाव लड़ने वाले हैं। दोनों पार्टियां 85 सीटों पर अपने-अपने उम्मीदवार उतारेंगी। फारूख अब्दुल्ला की नेशनल कान्फ्रेंस 51 सीटों पर तो कांग्रेस 32 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। वहीं सीपीआई (एम) और पैंथर्स को एक-एक सीट देने पर सहमति बनी है।

गठंबधन का ऐलान करते हुए फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जम्मू-कश्मीर में सीटों के बंटवारे के लिए कांग्रेस के साथ बातचीत हो चुकी है। 90 में से एनसी 51 सीटों और कांग्रेस 32 पर चुनाव लड़ेगी और यह सहमति बनी है कि पांच सीटें फ्रेंडली फाइट के लिए छोड़ी हैं। एक सीट सीपीआई (एम) और एक पैंथर्स पार्टी को दी गई है।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर दस साल बाद विधानसभा चुनाव होने हैं। धारा 370 खत्म करने के बाद जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित क्षेत्र बना दिया गया था। इसके बाद पहली बार चुनाव होना है। चुनाव तीन फेजों में होंगे। राज्य की 90 विधानसभा सीटों के लिए 18 सिंतबर, 25 सिंतबर और 1 अक्टूबर को मतदान होगा। वहीं चार अक्टूबर को चुनावों के नतीजों का ऐलान किया जाएगा।

कोलकाता रेप-मर्डर केसः प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़े, पथराव किया...पुलिस का लाठीचार्ज

वाटर कैनन चलाई, आंसू गैस के गोले दागे, भाजपा का आज बंगाल बंद

ममता के इस्तीफ की राजनीति

-नब्बाना प्रोटेस्ट के बीच ममता सरकार का अल्टीमेटम-आज कोई बंद नहीं, सबको दफ्तर आना होगा

कोलकाता (ईएमएस)। ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर केस के बाद पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की मांग को लेकर मंगलवार को बड़ी संख्या में छात्रों ने सडक़ों पर प्रदर्शन किया। छात्रों ने इसे नबन्ना अभियान नाम दिया। इसे रोकने के लिए सरकार ने 6000 पुलिस जवान तैनात किए गए। हावड़ा ब्रिज को सील कर दिया गया। रैली दोपहर शुरू हुई, लेकिन नबन्ना तक नहीं पहुंच सकी। इसकी वजह पुलिस की बैरिकेडिंग रही। कई रास्तों को बंद किया। ड्रोन से निगरानी की गई। छात्रों ने हावड़ा से लगे संतरागाछी में बैरिकेडिंग तोड़ दी। इसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया। भीड़ को तितर-बितर करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े और वाटर कैनन चलाई। पुलिस की कार्रवाई में कई प्रदर्शनकारी जख्मी हुए। कई छात्रों को हिरासत में लिया गया। इस पर अब भाजपा ने बुधवार को बंगाल बंद का ऐलान किया है।

दरअसल, भाजपा और उसके समर्थित आंदोलनकारी मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की मांग कर रहे हैं। इससे प्रदेश में ममता बनर्जी के इस्तीफे को लेकर राजनीति तेज हो गई है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में 8 अगस्त की रात को ट्रेनी डॉक्टर का रेप-मर्डर हुआ था। 9 अगस्त की सुबह डॉक्टर की बॉडी मिली। इसके बाद देशभर के डॉक्टर सडक़ पर उतर आए थे। सुप्रीम कोर्ट की अपील के बाद कई अस्पतालों के डॉक्टरों ने हड़ताल कैंसिल कर दी। हालांकि प्रदर्शन का दौर जारी है।

भाजपा ने बुलाया है 12 घंटे का बंगाल बंद

भाजपा ने इस महीने की शुरुआत में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक ट्रेनी महिला डॉक्टर के साथ बलात्कार और हत्या के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के इस्तीफे की भी मांग की। बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा कि हम आम हड़ताल का आह्वान करने के लिए मजबूर हैं क्योंकि यह निरंकुश शासन लोगों की आवाज, मृत डॉक्टर बहन के लिए न्याय की मांग को अनसुना कर रहा है। न्याय के बजाय, ममता बनर्जी की पुलिस राज्य के शांतिप्रिय लोगों पर हमला कर रही है, जो केवल महिलाओं के लिए एक सुरक्षित वातावरण चाहते हैं। बंगाल बंद के आह्वान के समर्थन में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि कोलकाता से पुलिस की मनमानी की तस्वीरों ने हर उस व्यक्ति को नाराज कर दिया है जो लोकतांत्रिक सिद्धांतों को महत्व देता है। दीदी के पश्चिम बंगाल में बलात्कारियों और अपराधियों की मदद करना मूल्यवान है, लेकिन महिला सुरक्षा के लिए बोलना अपराध है। भाजपा नेत्री लॉकेट चटर्जी ने अपने एक्स हैंडल पर नबन्ना प्रोटेस्ट मार्च का एक वीडिया शेयर किया, जिसमें भगवा वस्त्र पहने एक बुजुर्ग पुलिस के वाटर कैनन के सामने हाथ में तिरंगा लिए खड़ा है।

बंद की अनुमति नहीं

पश्चिम बंगाल सरकार ने मंगलवार को लोगों से 28 अगस्त को भाजपा द्वारा बुलाई गई 12 घंटे की हड़ताल में भाग नहीं लेने का आग्रह किया और कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित करेगा कि बंद के कारण सामान्य जनजीवन प्रभावित न हो। बता दें कि भाजपा ने मंगलवार को राज्य सचिवालय नब्बाना तक प्रोटेस्ट मार्च में भाग लेने वाले प्रदर्शनकारियों पर पुलिस कार्रवाई के विरोध में बुधवार सुबह 6 बजे से शाम 6 बजे तक बंगाल बंद का आह्वान किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के मुख्य सलाहकार अलपन बंदोपाध्याय ने कहा कि सरकार बुधवार को किसी भी बंद की अनुमति नहीं देगी। हम लोगों से इसमें भाग नहीं लेने का आग्रह करते हैं। यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए जाएंगे कि सामान्य जीवन अप्रभावित रहे। इसके बाद राज्य सरकार ने एक अधिसूचना जारी करके अपने सभी कर्मचारियों से बंगाल बंद में शामिल नहीं होने की अपील की। इस बीच पश्चिम बंगाल जूनियर डॉक्टर्स फोरम ने महिला ट्रेनी डॉक्टर के लिए न्याय की मांग करते हुए 28 अगस्त को कोलकाता में एक बड़ी रैली की घोषणा की है।

कांग्रेस नेता को राज्यपाल बनवाने के नाम पर 11 करोड़ की ठगी

हिसार (ईएमएस)। हरियाणा के हांसी शहर के कांग्रेस नेता सुरेंद्र मलिक से चार साल पहले अंडमान निकोबार में राज्यपाल बनाने के नाम पर 11 करोड़ रुपये ठगने का आरोप है। पुलिस ने मामले में हरियाणा पुलिस के इंस्पेक्टर मानवीर को गिरफ्तार किया है। मानवीर को कोर्ट में पेश कर आठ दिन के रिमांड पर लिया है। कांग्रेस नेता मलिक की एक साल पहले मौत हो चुकी है। मलिक के पुत्र की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई की।मामले में मानवीर के एक सहयोगी की तलाश है।

पुलिस के मुताबिक डॉ. दुष्यंत मलिक ने बताया कि मानवीर वर्ष 2020 में उनके पिता सुरेंद्र मलिक से मिले थे। इस दौरान उनके राजनीतिक रसूख का हवाला देकर उन्हें अंडमान निकोबार का राज्यपाल बनवाने में मदद की पेशकश की। इसके बदले में सुरेंद्र मलिक से 11 करोड़ रुपये लिए थे।

करीब 9 करोड़ पांच अलग-अलग बैंक खाते में और 2 करोड़ रुपये नकद दिए गए, लेकिन पिता को राज्यपाल नहीं बनाया। उन्होंने पैसे वापस मांगे। इस मामले में कई बार पंचायतें हुईं, लेकिन पिता को पैसे नहीं दिए। दुष्यंत ने बताया कि पिछले साल उनके पिता की मौत हो गई। पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा ने मामले की जांच की। मानवीर ने पहले सुरेंद्र के साथ दोस्ती की और विश्वास में लेकर ठगी को अंजाम दिया। मलिक बीजेपी नेता किरण चौधरी के भी खास रहे। उनके आवास पर पिछले साल ईडी ने रेड भी की थी। डीएसपी संजय सिंह ने बताया कि आरोपी मानवीर को गिरफ्तार कर आठ दिन के रिमांड पर लिया गया है। उसके साथी के बारे में भी पूछताछ की जाएगी।

शराब नीति घोटाला केस में के. कविता को जमानत

नई दिल्ली(ईएमएस)। दिल्ली शराब नीति केस में आरोपी भारत राष्ट्र समिति लीडर के कविता को सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जमानत दे दी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस केस में जांच पूरी हो चुकी है। ट्रायल के जल्द पूरा होने की उम्मीद नहीं है। के कविता 5 महीने से जेल में बंद हैं। महिला हैं और पीएमएलए के सेक्शन 45 के तहत उन्हें जमानत मिलनी चाहिए। इसी कोर्ट में कई आदेशों में कहा गया है कि अंडर ट्रायल कस्टडी को सजा में नहीं बदलना चाहिए। तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंद्रशेखर राव की बेटी के कविता को ईडी ने 15 मार्च को हैदराबाद से अरेस्ट किया था। इसके बाद सीबीआई ने उन्हें 11 अप्रैल को कस्टडी में लिया था। सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआइ और ईडी दोनों केस में के कविता को जमानत दी है।

किसानों को बलात्कारी कहना बीजेपी सांसद का गैर जिम्मेदाना बयान, माफी मांगे

-प्रियंका बोलीं-कंगना के पास पीएम, गृहमंत्री और एनएसए से भी ज्यादा जानकारी

मुंबई,(ईएमएस)। किसान आंदोलन में रेप और हत्या की बात कहने वालीं अभिनेत्री और मंडी सांसद कंगना रनौत के बयान पर विपक्ष लगातार बीजेपी को घेर रहा है। विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा कि बीजेपी सांसद ने किसानों को बलात्कारी और विदेशी ताकतों का नुमाइंदा कहना बीजेपी की किसान विरोधी नीति और नीयत का सबूत है।

इससे पहले बीलेपी ने कंगना रनौत के बयान से खुद को अलग कर लिया था। अब शिवसेना (उद्धव गुट) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा है कि कंगना ने किसानों को बलात्कारी कहा है। उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए। आंदोलन में विदेशी हाथ होने के कंगना के दावे पर शिवसेना सांसद ने कहा कि क्या उनके पास पीएम, गृहमंत्री और एनएसए डोभाल से भी ज्यादा जानकारी है। सीबीआई उन्हें गिरफ्तार कर कंगना से पूछताछ करे, ताकि सच सामने आ सके।

चतुर्वेदी ने कहा कि वह हैरान हैं कि बीजेपी सांसद ने ऐसा गैर जिम्मेदाराना बयान दिया है। वे किसानों को बलात्कारी कह रही हैं, क्या रेप इतना हल्का शब्द है? कंगना देश के किसानों की तुलना आतंकवादियों और बांग्लादेश वालों से कैसे कर सकती हैं। सबसे बड़ी बात है कि बीजेपी के किसी व्यक्ति ने इसका विरोध तक नहीं किया, यह दिखाता है कि ये लोग किसान विरोधी हैं। पीएम को इस पर संज्ञान लेना चाहिए और कंगना रनौत को माफी मांगने के लिए मजबूर करना चाहिए।

सांसद चतुर्वेदी ने कहा कि एनएसए अजीत डोभाल को कंगना को समन भेजना चाहिए। सीबीआई कंगना को इसी वक्त गिरफ्तार कर उनसे पूछना चाहिए कि जब कंगना के पास ऐसी खुफिया जानकारी थी, तो उन्होंने इसकी जानकारी गृह मंत्रालय को क्यों नहीं दी?

जन हितैषी

मिल सकती है, रिटायर्ड होने के बाद वेतन की 50 फ़ीसदी पेंशन?

केंद्र सरकार द्वारा जो नई एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) को शुरू करने का जो फैसला लिया गया है। उस फैसले से कर्मचारियों को अपने अंतिम वेतन की राशि का 50 फ़ीसदी पेंशन में मिलेगा या नहीं, इस पेंशन योजना में बहुत सारी शर्त, किंतु परंतु लगे हैं। कर्मचारी सभी मानकों का पालन सही तरीके से कर पाएगा, तभी उसे अंतिम वेतन का 50 फ़ीसदी राशि की पेंशन सेवा निवृत्ति के बाद कर्मचारियों को पेंशन के रूप में मिल सकेगी। शासकीय कर्मचारी को अपने पेंशन खाते को हमेशा क्रियाशील रखना पड़ेगा। सरकार कर्मचारियों के पेंशन के दो खाते खोलेगी। एक खाते में कर्मचारियों के वेतन से 10 फ़ीसदी अंशदान ओर सरकार का 10 फ़ीसदी अपनी ओर से मिलाकर एक पृथक खाते में रखा जाएगा। केंद्र सरकार दूसरे खाते में अपनी ओर से 8.50 फ़ीसदी अंशदान की राशि जमा करेगी। पेंशन नियामक प्राधिकरण नई योजना में यदि कर्मचारी के द्वारा नई शर्तों का पालन नहीं किया जाता है तो ऐसी स्थिति में उसकी पेंशन कम बनेगी। शासकीय कर्मचारी पेंशन फंड से 50 फ़ीसदी राशि हमेशा जमा रखेगा। उसके बाद ही वह अपने अंतिम वेतन का 50 फ़ीसदी पेंशन के रूप में पाने का अधिकारी होगा। अधिक पेंशन पाने के लिए सेवानिवृत्ति के बाद भी कॉरपस फंड में 50 फ़ीसदी राशि रखना अनिवार्य होगा। यदि यह राशिपेंशन फंड में जमा नहीं रहेगी, तो कर्मचारी की पेंशन कम बनेगी। सरकार द्वारा जो 8.50 फ़ीसदी अंशदान दूसरे खाते में रखा जायेगा, उसकी भरपाई के लिए यह दूसरा खाता होगा। जिसमें से 50 फ़ीसदी पेंशन को पूरा करने की गारंटी सरकार द्वारा दी जा रही है। यदि पहले वाले खाते में कर्मचारी डिफॉल्ट होता है तो उस हालत में सेवानिवृत्ति के बाद उसे कम पेंशन मिलेगी। कर्मचारी अपने पेंशन फंड में जमा 50 फ़ीसदी से ज्यादा राशि निकाल लेता है। उस हालत में उसे अंतिम वेतन की 50 फ़ीसदी राशि पेंशन के रूप में नहीं मिलेगी। पेंशन खाते में जमा फंड के अनुसार ही पेंशन कम या ज्यादा होगी। सरकार ने जो योजना वर्तमान में तैयार की है, उसके अनुसार केंद्रीय कर्मचारियों को नेशनल पेंशन स्कीम (एनपीएस) या यूपीएस का विकल्प चुनना होगा। यूपीएस योजना को लागू करने का दायित्व सरकार द्वारा पेंशन नियामक प्राधिकरण को दिया गया है। जल्दबाजी में सरकार ने इस पेंशन स्कीम की घोषणा तो कर दी है, लेकिन अभी वित्त मंत्रालय के साथ मिलकर योजना को अंतिम स्वरूप दिया जाना बाकी है। सरकार द्वारा, अभी जो जानकारी दी गई है, उसके अनुसार यदि कर्मचारी सेवानिवृत्ति के बाद अपने पेंशन फंड से 50 फीसदी राशि अपने कॉरपस फंड में जमा नहीं रखेगा। तो उसकी पेंशन कम हो जाएगी। केंद्र सरकार को नई पेंशन योजना के बारे में राज्य सरकारों से भी विचार विमर्श करना होगा। पेंशन नियामक प्राधिकरण केंद्र के साथ-साथ राज्यों के पेंशन फंड का भी रखरखाव करता है। ऐसी स्थिति में अगले महीनो में इस योजना के बारे में वास्तविक स्थिति का पता कर्मचारियों को लग पाएगा। सरकार ने जो घोषणा की है, उसके अनुसार नई पेंशन योजना 1 अप्रैल 2025 के बाद ही लागू होगी। पेंशन योजना को लेकर केंद्रीय एवं राज्य के कर्मचारियों में भारी रोष था। कई राज्यों के विधानसभा चुनाव में पेंशन योजना के कारण भारतीय जनता पार्टी को नुकसान उठाना पड़ा था। केंद्र सरकार ने जिस पेंशन स्कीम की घोषणा की है। उसमें उसने एक बात का ध्यान रखा है। अंतिम वेतन की 50 फ़ीसदी राशि पेंशन के रूप में कर्मचारियों को मिले। लेकिन इसके लिए रिटायरमेंट के पहले और बाद में उसके लिए 50 फीसदी राशि पेंशन फंड में जमा करना अनिवार्य होगा। यदि कर्मचारी अपने खाते में 50 फ़ीसदी राशि हमेशा नहीं रख पाया, ऐसी स्थिति में उसकी पेंशन कम हो जाएगी। नए नियमों को देखने से यही लग रहा है। सरकार ने पेंशन कानून में जिस तरीके से दो खाता खोलने और नियम और शर्तों के साथ ओल्ड पेंशन स्कीम कहकर प्रचारित किया जा रहा है। इस नई पेंशन स्कीम को कर्मचारी संगठन संतुष्ट होंगे, यह कहना बड़ा मुश्किल है। केंद्र सरकार ने जिस तरह से कारोबारी अपने उत्पाद को बेचने के लिए बड़े आकर्षक ढंग से ब्रांडिंग करते हैं। अपने उत्पाद के बारे में बढ़ा चढ़ाकर बताते हैं। उसके बाद उसमें नियम और शर्तें लगाकर जिम्मेदारी से बचने की कोशिश करते हैं। सरकार ने भी नई एकीकृत पेंशन योजना (यूपीएस) में यही करने का प्रयास किया है। सरकार ने एक तीर से दो शिकार किए हैं। कर्मचारियों की ज्यादा से ज्यादा राशि पेंशन नियामक प्राधिकरण में जमा रहे। जमा राशि के ब्याज के आधार पर कर्मचारियों को पेंशन मिले। सरकार का प्रयास पहले भी यही था, वर्तमान नई पेंशन स्कीम में भी यही प्रयास है। सरकार ने 8.50 फ़ीसदी अंशदान का जो दूसरा खाता खोलने का प्रावधान रखा है, उसमें जमा राशि का उपयोग कर्मचारी के सेवानिवृत हो जाने के बाद सरकार द्वारा जरूरत के अनुसार अंशदान के रूप में किया जाएगा। सेवानिवृत्ति के बाद जो राशि कर्मचारी की जमा होती थी, वह पूरी निकाल सकता था। अब उसे 50 फ़ीसदी जमा राशि हमेशा पेंशन खाते में रखनी पड़ेगी। कर्मचारी संगठन जब इस योजना के नियम एवं शर्तों को जानेंगे। नई पेंशन योजना का हिसाब किताब कर उसकी गणना करेंगे। उसके बाद सरकार द्वारा जो नई पेंशन स्कीम घोषित की गई है। वह वर्तमान में जो नेशनल पेंशन स्कीम चल रही है। उससे अच्छी है या खराब इसका पता तो नियम बन जाने के बाद ही लगेगा। नई पेंशन योजना से कर्मचारियों को कोई ज्यादा फायदा होता हुआ दिख नहीं रहा है। जिन केंद्रीय कर्मचारियों को 50 फ़ीसदी पेंशन सेवा निवृत्ति के बाद चाहिए है, उन्हें पेंशन खातों में न्यूनतम जमा राशि रिटायरमेंट के बाद रखना पड़ेगी। वह जीवित रहते हुए उस राशि का उपयोग करेंगे, तो उसी अनुपात में उनकी पेंशन भी उनके कम हो जाएगी। सरकार ने कर्मचारियों की नाराजी को देखते हुए लगता है, कर्मचारियों को एक नया झुनझुना पकड़ा दिया है। झुनझुना आगे चलकर किस तरह से बजता है, इसके लिए कुछ समय इंतजार करने की जरूरत है। हां सरकार और मीडिया इसे बहुत बड़ा कदम बता रही है। इसकी वास्तविकता का आंकलन कर्मचारी संगठन करेंगे।

ऐसे कथित मौलवियों का बहिष्कार करे मुस्लिम समाज

जो इस्लाम धर्म अपने प्रवर्तक पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद के एकेश्वरवाद के मूल सिद्धांत के साथ साथ समानता,प्रेम,सद्भाव व करुणा की विशेषताओं के साथ उनके जीवन काल में ही विश्वस्तर पर प्रसारित हो चुका था वही इस्लाम हज़रत मुहम्मद के देहांत के बाद से ही तरह तरह की विचारधाराओं व मतों में विभाजित हो गया। पैग़ंबर हज़रत मुहम्मद के वास्तविक इस्लाम की रक्षा के लिये जहाँ उनके उत्तराधिकारी हज़रत अली ने इस्लाम विरोधी शक्तियों से कई जंग लड़ीं वहीँ हज़रत अली के बेटे हुसैन ने इस्लाम को सल्तनत का पर्याय समझने वाले दुराचारी सीरियाई शासक यज़ीद के चंगुल से इस्लाम, इस्लामी सिद्धांत व उसकी पवित्रता को बचाने के लिये करबला में अपनी जान की क़ुरबानी दी। परंतु दुर्भाग्यवश विश्व का दूसरे नंबर का सबसे बड़ा धर्म होने के बावजूद आज इसी इस्लाम में सैकड़ों वर्ग बन चुके हैं। यहाँ तक कि कई वर्गों में आज भी ख़ूनी संघर्ष होते आ रहे हैं। मुसलमानों के इसी परस्पर मतभेद का नतीजा है कि आज दुनिया के कई देशों में मुसलमानों पर ज़ुल्म ढाये जा रहे हैं और एक अल्लाह एक क़ुरआन एक रसूल का मानने वाला परन्तु अनेक वर्गों में विभाजित मुस्लिम जगत असहाय होकर केवल तमाशाई बना बैठा है।

इस्लाम को जहाँ अनेक मुस्लिम आक्रांताओं,सुल्तानों,बादशाहों व हुक्मरानों ने अपनी सत्ता के स्वार्थवश अपने तरीक़े से परिभाषित किया और अपनी हुकूमत के विस्तार या उसकी रक्षा के लिये जिहाद की अवधारणा को कलंकित कर इस्लाम को बदनाम किया वहीं विभिन्न वर्गों के मुल्लाओं व मौलवियों ने भी इस्लामी शरीया की आड़ में अपने मनगढ़ंत फ़तवे जारी कर इस्लाम को बदनाम करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जिहाद और फ़तवा इन दो शब्दों का तो इन साम्राज्यवादी मानसिककता के लोगों व मुल्लाओं ने इतना दुरूपयोग किया कि अब इस्लाम विरोधी शक्तियां इसका मज़ाक़ उड़ाने लगी हैं।

इसी इस्लाम धर्म में विवाह को लेकर भी यह व्यवस्था है कि किसी मुस्लिम लड़के/लड़की द्वारा आवश्यक हो तो अपने रिश्ते के चाचा और रिश्ते के मामा के लड़के/लड़की से शादी की जा सकती है। परन्तु अपनी सगी बहन की और सगे भाई की लड़की से शादी तो हरगिज़ नहीं होती। माता व पिता की बहन से शादी नहीं हो सकती। यदि लड़के की माँ ने किसी दूसरे की लड़की को अपना दूध पिलाया हो यानी दूध शरीक हो तो उस लड़के /लड़की से भी आपस में शादी नही हो सकती। चचेरी,मौसेरी,ममेरी भाई बहन (कज़िन) में परस्पर शादी की परम्परा या प्रथा केवल इस्लाम में ही नहीं है बल्कि येरुशलम में अरबों में,पारसियों,यहूदियों,यहाँ तक कि दक्षिण भारत ख़ासकर कर्नाटक, आन्ध्रप्रदेश और तमिलनाडु के कई हिन्दू समुदायों में भी कज़िन के साथ परस्पर शादी की परम्परा पाई जाती है। चचेरे भाई-बहनों के बीच विवाह को कुछ अमेरिकी राज्यों में भी क़ानूनी मान्यता प्राप्त है। हिन्दू शास्त्रों के अनुसार तो श्री कृष्ण ने अपनी बहिन सुभद्रा की शादी अपनी बुआ कुंती के पुत्र अर्जुन से कराई थी। सुभद्रा-अर्जुन के पुत्र अभिमन्यु थे । परन्तु सगी बहन के साथ शादी का उल्लेख मानव जाति के किसी भी धर्म अथवा समुदाय में सुनने को नहीं मिला। हाँ यदि दुनिया में कहीं किसी आदिवासी क़बीले में ऐसा होता हो तो उसे अपवाद के रूप में देखा जा सकता है।

पिछले दिनों भारत में मौलाना जर्जिस अंसारी ने जोकि स्वयं के इस्लामिक उपदेशक होने का दावा करते हैं, ने विवाह को लेकर एक इतना आपत्तिजनक व विवादित बयान दे दिया जिससे हंगामा खड़ा हो गया और इस्लाम विरोधी शक्तियों को इस्लाम पर निशाना साधने का एक और मौक़ा मिल गया। मौलाना जर्जिस अंसारी ने उपदेश में कहा कि- ये कितनी बड़ी बेअक़्ली की बात है कि लोग अपनी बहन से निकाह न करें और दूसरों की बहन बेटी के साथ निकाह कर रहे हैं।जबकि बहन आपने मिज़ाज को जानती है,वो जानती है मेरे भाई को ग़ुस्सा कब आता है,वो जानती है कि मेरे भाई का ग़ुस्सा कैसे दूर होता है। वो ख़ूबसूरत है वो हसीन भी है वो जमील भी है,लेकिन कितनी बड़ी बद अक़्ली की बात है कि एक भाई अपनी ख़ूबसूरत, हम मिज़ाज बहन को छोड़ कर दूसरे की बहन से शादी कर लेता है और अपनी बहन को किसी दूसरे के हवाले कर देता है? जब हमारी बहन हमारे लिये खाना बना सकती है,हमारे लिये बिस्तर लगा सकती है,हमारा सिर दबा सकती है हमें दवा खिला सकती है,मजबूरियों और परेशानियों में हमारा ख़याल रख सकती है तो उसके साथ शादी की लज़्ज़त क्यों हासिल नहीं की जा सकती? हसीन ो जमील और ख़ूबसूरत सरमाये को और हसीन ो जमील बहन को किसी दूसरे के हवाले कर दो और दूसरे का कबाड़ख़ाना उठा कर अपने घर पर ले आओ ? आगे मौलाना फ़रमाते हैं कि -आपसे आप लाख कहिये कि समाज इजाज़त नहीं देता,ये इजाज़त नहीं देता वो इजाज़त नहीं देता,नहीं,ये सब कहने वाली बात है। अगर अक़्ल को ही आप दख़ल देंगे और हर चीज़ अक़्ल से सोचेंगे तो आप बताइये कि अक़्ली तौर पर इसमें क्या बुराई है ?कि मैं अपनी ख़ूबसूरत बहन को किसी ऐसे इंसान के हवाले कर दूँ कि जिसकी ज़िन्दिगी से हम वाक़िफ़ नहीं हैं ? जिसके गुस्से गर्मी से हम वाक़िफ़ नहीं हैं ? जिसकी लाचाराना ज़िन्दिगी से हम वाक़िफ़ नहीं हैं, हम अपनी बहन को उसके हवाले कर दें और दूसरे की बहन को हम ले आयें जिससे हम वाक़िफ़ नहीं हैं ? आप बताइये अक़्ली तौर पर अक़्ल क्या कहती है ?

गोया इस मौलवी की नज़रों में भाई बहन की ही आपस में शादी की जानी चाहिये। जबकि दूसरे के घर की लड़की को यह मौलवी कबाड़ बता रहा है। इस मौलवी के बारे में पड़ताल करने पर पता चला कि सितंबर 2022 में इटावा के एक रेप केस में फ़ास्ट ट्रैक कोर्ट-प्रथम ने इसे 10 साल के सश्रम कारावास की सज़ा सुनाई थी तथा इस पर 10,000 रुपय का जुर्माना भी लगाया था। वाराणसी के जैतपुरा इलाक़े की एक महिला ने इस मौलवी पर 2016 में बलात्कार का आरोप लगाया था। जर्जिस अंसारी महिलाओं और अनुसूचित जाति पर टिप्पणी करने के लिये भी विवादों में रहा है। यह धमकी भी दे चुका है कि यदि उसे देश से बाहर निकालने की कोशिश की गयी तो वह देश के कोने-कोने में जिहाद करेगा। गोया अपने निजी कारणों के लिये यह जिहाद को भी सही ठहरा सकता है ? यह अपने प्रवचनों में संस्कृत और वेद व अनेक हिन्दू धर्म शास्त्रों का भी ज़िक्र करता रहा है। कहा जा सकता है कि यह उन चंद मोलवियों में शामिल है जिसे हिन्दू धर्म व संस्कृत जैसे विषयों की भी जानकारी है।

परन्तु उस ज्ञान का अर्थ यह नहीं कि आप अपने गोबर भरे दिमाग़ का ऐसा उपयोग करने लगें कि इंसान व जानवर में कोई अंतर ही न रह जाये। केवल पशुओं में ही भाई बहनों के शारीरिक सम्बन्ध होते हैं प्रबुद्ध मानवजाति में क़तई नहीं। इसके इस बयान से तो यही प्रतीत होता है कि या तो इसे इस्लाम धर्म व सिद्धांतों की सही जानकारी नहीं। यदि इसकी बात सही होती तो इसे पैग़ंबर, ख़लीफ़ा या इमामों के परिजनों में से किसी एक विवाह का कोई उदाहरण पेश करना चाहिये जहां भाई बहन की शादी हुई हो। या फिर इसे किसी ने अपना मोहरा बनाकर इस्लाम धर्म को और भी विवादित बनाने की कोशिश की है और यह किसी इस्लाम विरोधी ताक़त के हाथों का मोहरा बन चुका है। किसी दूसरे की बेटी को कबाड़ बताना भी इसकी विकृत मानसिकता को दर्शाता है। ऐसे अनैतिक, अति विवादित, आपत्तिजनक , धर्म व मानवता विरोधी बयान देने वाले तथाकथित स्वयंभू मौलवियों का मुस्लिम समाज को सम्पूर्ण बहिष्कार करना चाहिये।(लेखक-तनवीर जाफ़री/ ईएमएस)

तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख...

(कहो तो कह दूं)

आज से लगभग तीस बरस पहले राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित एक फिल्म आई थी नाम था दामिनी फिल्म हिट हुई थी लेकिन उसका एक डायलॉग जो एक वकील के रूप में सनी देओल अदालत में कहता है फिल्म से भी ज्यादा मकबूल हुआ था जिसमें वो अदालत में चिल्ला चिल्ला का कहता है तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख मिलती रही लेकिन इंसाफ नहीं मिला माई लॉर्ड। खैर वो तो फिल्म थी लेकिन मध्य प्रदेश में भाजपा के उन नेताओं को जो बेचारे निगमों, मंडलों, प्राधिकरणों में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष बनने की राह देख रहे हैं उन्हें भी इसी तरह तारीख पर तारीख, तारीख पर तारीख, मिलती जा रही है लेकिन कुर्सी नहीं मिल रही है सीएम साहब। प्रदेश में विधानसभा चुनाव खत्म हुए 8 महीने लगभग बीत चुके हैं, जो नेता शिवराज सिंह चौहान के जमाने में अध्यक्ष उपाध्यक्ष बनाए गए थे उनकी कुर्सी वर्तमान सीएम मोहन यादव ने एक झटके में खींच ली। सारे निगमों मंडलों प्राधिकरणों के अध्यक्षों, उपाध्यक्षों को हटाकर इनकी बागडोर अफसरों के हाथों में सौंप दीऔर यह बताया गया कि बहुत जल्दी अब दूसरे लोगों को इसमें अवसर दिया जाएगा। तब से भारतीय जनता पार्टी के तमाम लीडरान इसी आशा में डॉक्टर मोहन यादव की तरफ आशा भरी निगाहों से देख रहे हैं कि काश कभी उनकी तरफ भी नजरे इनायत हो जाएं। तमाम मंडल, प्राधिकरण, निगम अपने-अपने मुखिया की राह तक रहे हैं कि कोई तो उनकी सुध ले ले, लेकिन डॉक्टर साहब है तो किसी को दवाई देने तैयार नहीं। कुर्सी की बीमारी से तमाम नेता त्रस्त हो गए हैं कि कब उन्हें कुर्सी पर बैठने का मौका मिल जाए, लेकिन 8 महीने में न जाने कितनी बार उन्हें तारीख मिल चुकी है कि बस अब वक्त आ गया है जब उन्हें किसी न किसी निगम में मंडल में या प्राधिकरण में अध्यक्ष या उपाध्यक्ष बना दिया जाएगा, लेकिन जैसे कल कभी नहीं आता वैसे ही वो तारीख सामने नहीं आ रही है जिस तारीख में इन तमाम नेताओं को एडजस्ट किया जाएगा। इच्छुक नेता दिल्ली दरबार की भी परिक्रमा करने में जुटे हैं कि भोपाल में सेटिंग ना भी हो पाए तो सीधा डायरेक्ट दिल्ली से मामला सेट कर लिया जाए, लेकिन बेचारों की आंखें पथरा गई हैं ,अच्छी खबर सुनने के लिए कान तरस गए हैं, कुर्सी पर बैठने के लिए शरीर तड़प रहा है लेकिन दूर-दूर तक कोई रास्ता नजर आता नहीं दिखता। अब एक खबर आई है कि तीन महीने बाद इस मसले पर विचार किया जाएगा , यानी कुल मिलाकर इन तीन महीनों तक लोगों का कुछ नहीं हो पाएगा पर तीन महीने बाद फिर कौन सी नई तारीख मिलती है ये कहना बड़ा मुश्किल है। लोग बाग कहते हैं इंतजार का फल बड़ा मीठा होता है लेकिन यहां तो इंतजार करते-करते ,बड़े नेताओं के चक्कर काटते काटते चप्पलें घिस गई हैं लेकिन वो परमानेंट तारीख अभी तक नहीं मिल पाई है जिस तारीख में इनके अपॉइंटमेंट हो पाएंगे।

ये दिन आ गए अब इनके

आईएएस अफसरों के बारे में ये कहा जाता है कि पचास हजार में से एक व्यक्ति आईएएस बन पाता है और एक बार आईएएस बन जाता है तो फिर उसकी हैसियत राजा जैसी हो जाती है। नेताओं का क्या है 5 साल बाद क्या पता नहीं कुर्सी मिलती है कि नहीं मिलती लेकिन आईएएस तो पैंतीस साल राज करता है, सारे अधिकार उसके हाथों में होते हैं। कलेक्टर जिले का राजा होता है तो मुख्य सचिव पूरे प्रदेश का। कौन सी योजनाएं चलाना है, किसको ठेका देना है, किसको ओब्लाइज करना है, किसको परेशान करना है ये सब वही तय करते हैं लेकिन मध्य प्रदेश के आईएएस अफसरों की हालत तो देखो, ऐसी दुर्दशा होगी ये कभी उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा होगा। जब से प्रदेश में कुत्तों के काटने की घटनाएं बढ़ी है उसके बाद से मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव ने एक आदेश जारी करके कुत्तों की निगरानी की जिम्मेदारी पांच बड़े आईएएस अफसरों को सौंप दी है कि वे देखें कि इन कुत्तों की जनसंख्या में कैसे कमी आ सकती है, कुत्तों के काटने की घटनाएं कैसे कम हो सकती है, अब बेचारे अपना सारा काम धाम छोड़कर इसी शोध में लगे हैं कि कुत्तों से कैसे निपटा जाए। अभी वे कुत्तों से निपटने की योजना बना ही रहे थे कि एक और आदेश आ गया , तमाम जिलों के कलेक्टर नेशनल हाईवे और मुख्य मार्गो से गायों को हटाए। कलेक्टरों को लग रहा है कि कुत्ते और गाय का आदेश तो आ ही गया है ना कहो अब सांडों को सड़कों से खदेड़ने की जिम्मेदारी भी उन्हीं के कंधों पर सौंप दी जाए। क्या सोचकर आए थे, कितनी मेहनत की थी, आईएएस बनने के लिए, सोचा था जिंदगी भर राज करेंगे लेकिन यहां तो कुत्ता, बिलैया, गैया भगाने की जिम्मेदारी मिल गई है। पता लगा है कि तमाम कलेक्टर गांव के चरवाहों से ट्रेनिंग ले रहे हैं कि इन गायों को कैसे सड़कों से हांका जाए। अपना तो सरकार से एक निवेदन है की मसूरी में जो आईएएस अफसरों की ट्रेनिंग होती है उसमें एक पीरियड कुत्तों, गायों, सांडों को भगाने का भी शामिल किया कर लिया जाए ताकि जब ऐसे आदेश हो तो उन्हें ज्यादा श्रम ना करना पड़ेत

फिर वही रात में रुकने की बात

कई बरस हो गए हमको ये सुनते और पढ़ते, जितने भी सीएम आते हैं वो अपने कलेक्टरों से कहते हैं कि एक रात जरूर गांव में गुजारें ,लेकिन अपने को पता है कि आज तक किसी कलेक्टर ने गांव में रात नहीं गुजारी होगी, और कौन होगा ऐसा जो वहां रात में खटिया में सो कर मच्छरों से कटवाए, सुबह चार बजे मुर्गे की बांग पर उठना पड़ जाएगा, ना पंखा होगा ना एसी होगा। अब प्रदेश के मुखिया ने अफसरों को छोड़कर मंत्रियों को आदेश दे दिया है कि वे जिस जिले के प्रभार में है वहां कम से कम एक रात जरूर गुजारें। अपने को तो आज तक समझ में नहीं आया कि एक रात गुजारने से ऐसा क्या उखड़ने वाला है। अरे भाई दिन गुजरो तो समझ में भी आता है कि अफसर मिल जाएंगे, कर्मचारी मिल जाएंगे, लोग मिलेंगे, समस्याएं सामने आएंगी। रात में ऐसा क्या होने वाला है। जिले में अब यही होगा कि जो मंत्री जी आएंगे बेहतरीन एयर कंडीशन सर्किट हाउस में रात में डिनर लेंगे, सारे जिले के अफसर उनकी सेवा में जुटे रहेंगे ,दस ग्यारह बजे बेहतरीन गद्देदार पलंग में लेट कर निद्रा देवी को आमंत्रित करेंगे और फिर कुछ देर में उनके खर्राटे सर्किट हाउस की दीवारों से टकराने लगेंगे , सुबह उठकर फिर राजधानी की तरफ बढ़ लेंगे कहने को हो जाएगा कि हमने रात उस जिले में कुछ गुजार दी है यानी हर लगे ना फिटकरी रंग चोखा हो पता नहीं है रात गुजारने वाली स्कीम किसने बनाई थी जिसने भी बनाई है उस पर आज तक किसी कलेक्टर ने अमल नहीं किया और अपने को तो लगता है कि जब अफसरों ने सीएम की बात नहीं मानी हो तो फिर मंत्रियों को भला कौन मजबूर कर सकता है कि वे अपने प्रभार वाले जिले में रात गुजारें।

सुपर हिट ऑफ़ द वीक

मैं आपको कैसी लगती हूं श्रीमती जी ने श्रीमान जी से पूछा

बहुत ज्यादा अच्छी श्रीमान जी ने कहा

फिर भी कितनी ज्यादा, ये तो बताओ

इतनी ज्यादा कि लगता है तुम्हारी जैसी दो तीन और ले आऊं श्रीमान जी ने उत्तर दिया।(लेखक- चैतन्य भट्ट/ ईएमएस)

शांति दूत के गाल पर थप्पड़

युद्ध उन्मादी कोई भी हो ,उसे शांति की बात न सुनाई देती है और न पचती है,ये बात साबित हुई है रूस और यूक्रेन के बीच दोबारा से भड़के युद्ध से। भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र दामोदर मोदी ने युद्धरत दोनों देशों को शांति पाठ पढ़ाने की भरसक कोशिश की लेकिन मोदी जी के स्वदेश लौटते ही दोनों देश और ज्यादा खूंखार हो गए । दोनों ने एक-दूसरे पर हमले तेज कर दिए । मुझे ये ताजा हमले शांतिदूत माननीय मोदी जी मुंह पर तमाचे जैसे लगे। अशांत बांग्लादेश ने भी भारत से अपने दो राजनयिक वापस बुलाकर एक तरह से भारत की और माननीय मोदी की ख्वारी कर दी है।

माननीय मोदी जी जब अशांत मणिपुर छोड़कर पोलेंड और अमेरिका तथा यूक्रेन के दौरे पर शांतिदूत बनकर गए थे तो मुझे और पूरी दुनिया को ऐसा लगा था कि मोदी जी अपने राजनीतिक जीवन में शायद पहली बार सही कोशिश कर रहे हैं ,देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू के बताये रस्ते पर आगे बढ़ रहे हैं,लेकिन दुर्भाग्य की हम सब गलत थे । उनकी कोशिश एकतरफा और गलत साबित हुई। उनकी बात न मित्र रूस ने मानी और न मित्र यूक्रेन ने माना । क्योंकि मोदी जी मोदी जी थे,नेहरू जी नहीं। इधर मोदी ने रूस की धरती छोड़ी उधार यूक्रेन ने रूस पर और जबाब में रूस ने यूक्रेन पर ताबड़तोड़ हमले शुरू कर दिए। अब सवाल ये है कि माननीय मोदी जी देश को और स्वदेश क क्या मुंह दिखाएँ ? उन्होंने तो इस मामले में एक तरह से अपना पूरा राजनीतिक भविष्य दांव पर लगा दिया था।

मोदी जी के शांति प्रयासों में कोई खोट है, ऐसा न मै कहना चाहता हूँ और न ऐसी मेरी कोई मंशा है । मंशा तो युद्धरत देशों की ठीक नहीं है ,जिसे माननीय मोदी जी शायद समझ नहीं पाए। वे भूल गए कि रूस हो या यूक्रेन अभी अपने ब्रेन से काम ले रहे है। उन्हें पता है कि भारत की मध्यस्थता से दशकों पुरानी दुश्मनी और युद्ध समाप्त नहीं हो सकते। दोनों के बीच संधि का मतलब भारत की जीत और रूस तथा यूक्रेन की हार होगी। और दुनिया में कोई ,किसी से हारना नहीं चाहता। मोदी जी खुद गुड़ खाते हैं और गुलगुलों से नेम करते है। वे रूस और यूक्रेन से संधि करने की बात करते हैं और खुद अपने पड़ौसियों से मैत्री करने में नाकाम हो जाते हैं।

भारत की विदेश नीति में हालाँकि आमूलचूल परिवर्तन नहीं हुए हैं, किन्तु जितना कुछ बदला है उससे भारत का भला होने के बजाय बुरा ही हुआ है। भारत के निकटतम पड़ौसी पाकिस्तान से पिछले एक दशक में हमारे रिश्ते सुधरने के बजाय और ज्यादा खराब हुए है। हमारी बोलचाल तक बंद है। बांग्लादेश में तख्ता पलट के बाद भी भारत का नुक्सान ही हुआ ,क्योंकि बांग्लादेश की काम चलाऊ सरकार ने नाराज होकर भारत से अपने दो राजनयिक वापस बुला लिए । शायद इसकी वजह भारत में बांग्लादेश की निवर्तमान प्रधानमंत्री श्रीमती शेख हसीना की मौजूदगी है। नेपाल में भारत विरोधी और चीन समर्थक सरकार आ चुकी है।बांग्लादेश ने शेख हसीना के विरुद्ध आधा दर्जन से ज्यादा संगीन अपराधों के मामले दर्ज कर रखे हैं

युद्धरत यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा है कि दूसरा यूक्रेन शांति शिखर सम्मेलन होना ही चाहिए। अच्छा होगा अगर यह ग्लोबल साउथ के देशों में से किसी एक में हो। हम भारत में वैश्विक शांति शिखर सम्मेलन आयोजित कर सकते हैं। भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इस बारे में सऊदी अरब, कतर, तुर्किये और स्विटजरलैंड के साथ भी बातचीत चल रही है। दरअसल, पहला शांति शिखर सम्मेलन जून में स्विट्जरलैंड में आयोजित किया गया था, जिसमें 90 से अधिक देशों ने हिस्सा लिया था। हालांकि, तब यह शांति सम्मेलन पूरी तरह से विफल हो गया था। लेकिन यूक्रेन चाहता है की भारत रूस से कच्चा-पक्का तेल मांगना बंद करे। भारत के लिए ऐसा करना मुमकिन नहीं है पेंच यहीं आकर फंस जाता है। काश कि ये शांति सम्मेलन हो पाता। कम से कम भारत को इसका श्रेय भीमिलता और भारत के भीतर की राजनीति में सत्तारूढ़ भाजपा को इसका रजनीतिक लाभ भी हासिल हो जाता।

मुझे लगता है कि भावी प्रबल है।देश के भीतर ही नहीं बाहर भी भारत के यानि भारत की सरकार के सारे पांसे उलटे पड़ रहे हैं। न रूस मान रहा है और न यूक्रेन। न बांग्लादेश मान रहा है और न हमारी नयी स्वप्न सुंदरी यानि भाजपा की सांसद सुश्री कंगना रनौत। कंगना जी ने देशी राजनीती में घुली अदावत को और गहरा कर दिया है किसान आंदोलन के बारे में टिप्पणी करके । हालाँकि भाजपा ने अपने आपको कंगना के बयान से असंबद्ध कर लिया है ,लेकिन भारतवाले इतने मूर्ख भी नहीं हैं जो भाजपा और कंगना के व्यवहार को समझ न पाएं। भला कंगना और भाजपा अलग-अलग हो सकते हैं कभी ? कंगना ने जो रायता बगराया है उसका असर हरियाणा विधानसभा के चुनावों पर भी पड़ सकता है।

मूल मिलाकर बात ये है कि विश्व बंधू ,विश्व गुरु ,शान्तदूत भारत के प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेंद्र दामोदर दास मोदी जी के प्रति मेरा मन शृद्धा से भरा हुया है ,लेकिन उन्हें घर-बाहर से मिल रही तमाम नाकामियों से मै विचलित भी हूँ। मेरी ईश्वर से प्रार्थना है कि वो महामना मोदी जी की मदद करे । क्योंकि मोदी नहीं ,तो देश नहीं। आज के समय में वे ही भारत का अतीत,वर्तमान और भविष्य हैं। राहुल-बाहुल कहीं नहीं लगते मोदी जी के सामने।(लेखक-राकेश अचल/ ईएमएस)

शब्द पहेली - 8111

बाएँ से दाएँ

1.सिंह,शेर-3
6.कृषि पैदावार-3
7.कमल सरोवर-5
8.बारीक-3
10.जरा,थोड़ा-2
12.वाराणसी-4
15.टूटना,तड़कना-4
17.शराब,मदिरा-2
19.बुद्धि,मति-3
21.सेवा,,चाकरी,देखभाल-5
23.कर्म,भाग्य-3
24.यज्ञ,होम-3

ऊपर से नीचे

2.आक्रमणकारी-5
3.समा,माहौल-3
4.आर्द्रता,नमी-3
5.चट्टान (अंग्रेजी-2)
6.अंतर,फर्क-3
9.षष्ठीपूर्ति,60 वर्ष पूरे होना-3
11.नशा,खुमार-2
13.नरम,मुलायम-3
14.एक जैसा,समान-2
16.सार-संभाल-2,3
18.अनाथ,बेसहारा-3
19.खालिस,शुद्ध-3
20.फालिज,पक्षाघात-3
22.क्रोध,खीज,गुस्सा-2

शब्द पहेली -8110 का हल

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

सिराज और उमरान बाहर,नवदीप सैनी और गौरव शामिल

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने फिट नहीं होने के कारण तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और और उमरान मलिक को दलीप ट्रॉफी से बाहर कर दिया है। इनकी जगह पर युवा तेज गेंदबाज नवदीप सैनी और गौरव यादव को शामिल किया गया है। दलीप ट्रॉफी 5 सितंबर से शुरु होगी। बीसीसीआई ने 27 अगस्त को टीम बी और टीम सी में विकल्प की घोषणा की। तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज का नाम टीम बी में शामिल किया गया था पर उनकी जगह पर नवदीप सैनी को चुना गया है। वहीं टीम सी से उमरान मलिक को भी बाहर कर दिया गया है। उनकी जगह पर गौरव यादव को टीम में जगह मिली है। सिराज और उमरान के दलीप ट्रॉफी के शुरुआती मुकाबलों से पहले फिट होने की संभावना नहीं है। इसी वजह से उनको बाहर किया गया है।

अब घरेलू प्रतियोगिताओं में भी मैच और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी को मिलेगा पुरस्कार : जय शाह

मुम्बई (ईएममएस)। अब घरेलू स्तर पर होने वाले सभी महिला और जूनियर क्रिकेट प्रतियोगिताओं में पुरस्कार राशि दी जाएगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि अब घरेलू मैचों में भी मैच के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी और टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार दिया जाएगा। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) सचिव जय शाह ने ये घोषणा की है। उन्होंने कहा कि पुरुष घरेलू क्रिकेट में विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली प्रतियोगिता में 'प्लेयर ऑफ द मैच के लिए इनामी राशि दी जाएगी। शाह ने कहा कि हम अपने घरेलू क्रिकेट कार्यक्रम के तहत सभी महिला और जूनियर क्रिकेट टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट के लिए पुरस्कार राशि की शुरुआत करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि इसके अतिरिक्त सीनियर पुरुषों के लिए विजय हजारे और सैयद मुश्ताक अली टूर्नामेंट में प्लेयर ऑफ द मैच के लिए भी पुरस्कार राशि दी जाएगी। इसका लक्ष्य उद्देश्य घरेलू सर्किट में अच्छे प्रदर्शन को मान्यता देने के साथ ही सम्मान देना है। शाह ने कहा कि इस कदम के लिए समर्थन के लिए वह शीर्ष परिषद के आभारी हैं। साथ ही कहा कि हमें अपने क्रिकेटरों के लिए और अधिक बेहतर माहौल तैयार करना है। गौरतब है कि पिछले साल बीसीसीआई ने घरेलू टूर्नामेंटों के लिए पुरस्कार राशि बढ़ायी थी। इसके तहत रणजी ट्रॉफी विजेता टीम को 5 करोड़ रुपए का पुरस्कार दिया गया।

बिग बैश टीम एडिलेड स्ट्राइकर्स ने मंधाना को शामिल किया

एडिलेड (ईएमएस)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की अनुभवी खिलाड़ी स्मृति मंधाना अब ऑस्ट्रेलियाई घरेलू क्रिकेट लीग (बिग बैश) में एडिलेड स्ट्राइकर्स की ओर से खेलती नजर आयेंगी। बिग बैश टीम स्ट्राइकर्स ने मंधाना को प्री-ड्राफ्ट में शामिल किये जाने की घोषणा की है। मंधाना को प्री ड्राफ्ट साइनिंग के तहत स्ट्राइकर्स ने शामिल किया है। इससे पहले इस भारतीय बल्लेबाज ने ब्रिस्बेन हीट, होबार्ट हरिकेंस और सिडनी थंडर की ओर से खेला था। साल 2021 में सिडनी थंडर की ओर से खेलते हुए उन्होंने मेलबर्न रेनेगेड्स के खिलाफ 64 गेंदों पर नाबाद 114 रन बनाये थे। ये इस टूर्नामेंट के इतिहास में संयुक्त तौर पर दूसरा सबसे अधिक स्कोर है।

मंधाना ने कहा, मैं हमेशा ऑस्ट्रेलिया में खेलने का इंतजार करती रही हूं। स्ट्राइकर्स की ओर से भी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहूंगी। स्ट्राइकर्स की टीम काफी समय से मंधाना को शामिल करना चाहती थी पर पिछले सत्र में मंधाना ने काम का बोझ बढ़ने के कारण इस लीग के लिए अपने नाम नहीं दिया था। टीम की कोच ल्यूक विलियम्स ने कहा, मंधाना एक असाधारण प्रतिभा हैं और हम स्ट्राइकर्स में उनका स्वागत करते हैं। उनकी तकनीकी क्षमता, अनुभव और रणनीति हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण रहेगा। टीम के लिए मैदान पर वह जैसा समर्पण और ऊर्जा लाती है, उसे में जानती हूं। उनकी योग्यता और नेतृत्व क्षमता अगले सीजन में हमारे लिए काफी काम आएगी।

हरमनप्रीत की कप्तानी में टी20 विश्व कप में उतरेगी भारतीय महिला टीम

मुम्बई (ईएमएस)। हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में भारतीय महिला क्रिकेट टीम 3 से 20 अक्टूबर के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले टी20 महिला विश्वकप क्रिकेट टूर्नामेंट में उतरेगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी जो 15 सदस्यीय टीम घोषित की है। उसमें जेमिमा रोड्रिग्स, स्मृति मंधाना , शेफाली वर्मा , जैसी खिलाड़ी शामिल है। विकेटकीपर बल्लेबाज यस्तिका भाटिया और श्रेयंका पाटिल को चोटिल होने के बाद भी इस टीम में शामिल किया गया है। टीम में तीन रिजर्व खिलाड़ी शामिल किये गये हैं। इसमें उमा छेत्री (विकेटकीपर) के अलावा तनुजा कंवेर, साइमा ठाकोर आदि हैं।

भारतीय टीम को इस टूर्नामेंट में मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ ग्रुप ए में रखा गया है। टीम इस प्रकार है। हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, दीप्ति शर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), यास्तिका भाटिया (विकेटकीपर), पूजा वस्त्राकर, अरुंधति रेड्डी, रेणुका सिंह, दयालन हेमलता, आशा सोभना , राधा यादव, श्रेयंका पाटिल और सजना सजीवन।

आईसीसी ने महिला टी20 विश्वकप का नया कार्यक्रम जारी किया ,3अक्टूबर से शुरु होगा

दुबई (ईएमएस)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अक्टूबर में संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में होने वाले महिला टी20 विश्वकप के लिए नया कार्यक्रम जारी कर दिया है। आयोजन स्थल में आये बदलाव के चलते ही कार्यक्रम में ये बदलाव आया है। नये कार्यक्रम के अनुसार विश्व कप 3 अक्टूबर को बांग्लादेश और स्कॉटलैंड मैच से शुरू होगा। वहीं भारतीय टीम का पहला मुकाबला 4 अक्टूबर को न्यूजीलैंड से दुबई में होगा। वहीं भारत और पाकिस्तान का अहम मुकाबल 6 अक्टूबर को दुबई में होगा। . सेमीफाइनल और फाइनल मैचों दोनों के लिए 'रिजर्व डे' रखा गया है। इस टूर्नामेंट की शुरुआत 28 सितंबर से एक अक्टूबर तक होने वाले 10 अभ्यास मैचों से होगी।

पहले ये विश्वकप बांग्लादेश में होना था पर खराब राजनीतिक हालातों और हिंसा को देखते हुए इसे यूएई में आयोजित किया जा रहा है हालांकि मेजबान बांग्लादेश बोर्ड ही रहेगा। इसमें पहले की तरह ही दो ग्रुप रहेंगे। ग्रुप ए में गत चैंपियन आस्ट्रेलिया,भारत, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ रखा गया है। वहीं ग्रुप बी में दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, बांग्लादेश और स्कॉटलैंड शामिल हैं। इसमें सभी टीमें हर टीम चार ग्रुप मैच खेलेगी। हर ग्रुप से दो शीर्ष टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। सेमीफाइनल मुकाबले 17 और 18 अक्टूबर को होंगे। इसके बाद 20 अक्टूबर को दुबई में फाइनल खेला जाएगा।

टूर्नामेंट का कार्यक्रम इस प्रकार हैः

3 अक्टूबर, गुरुवार, बांग्लादेश बनाम स्कॉटलैंड, शारजाह ,3 अक्टूबर गुरुवार, पाकिस्तान बनाम श्रीलंका, शारजाह ,4 अक्टूबर, शुक्रवार, दक्षिण अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज, दुबई, 4 अक्टूबर,शुक्रवार, भारत बनाम न्यूजीलैंड, दुबई ,5 अक्टूबर, शनिवार, बांग्लादेश बनाम इंग्लैंड, शारजाह ,5अक्टूबर, शनिवार, आस्ट्रेलिया बनाम श्रीलंका, शारजाह ,6 अक्टूबर, रविवार, भारत बनाम पाकिस्तान, दुबई ,6 अक्टूबर, रविवार, वेस्टइंडीज बनाम स्कॉटलैंड, दुबई 7अक्टूबर, सोमवार, इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका, शारजाह 8 अक्टूबर, मंगलवार, आस्ट्रेलिया बनाम न्यूजीलैंड, शारजाह ,9 अक्टूबर, बुधवार, दक्षिण अफ्रीका बनाम स्कॉटलैंड,दुबई ,9 अक्टूबर, बुधवार, भारत बनाम श्रीलंका, दुबई ,10 अक्टूबर, गुरुवार, बांग्लादेश बनाम वेस्टइंडीज, शारजाह ,11 अक्टूबर, शुक्रवार, आस्ट्रेलिया बनाम पाकिस्तान, दुबई ,12 अक्टूबर, शनिवार, न्यूजीलैंड बनाम श्रीलंका,शारजाह ,12 अक्टूबर, शनिवार, बांग्लादेश बनाम दक्षिण अफ्रीका,दुबई,13अक्टूबर, रविवार, इंग्लैंड बनाम स्कॉटलैंड, शारजाह ,13 अक्टूबर, रविवार, भारत बनाम आस्ट्रेलिया, शारजाह ,14 अक्टूबर, सोमवार, पाकिस्तान बनाम न्यूजीलैंड, दुबई ,15अक्टूबर,मंगलवार, इंग्लैंड बनाम वेस्टइंडीज, दुबई, 17 अक्टूबर, गुरुवार, पहला सेमीफाइनल , दुबई ,18 अक्टूबर, शुक्रवार, दूसरा सेमीफाइनल , शारजाह ,20 अक्टूबर, रविवार, फाइनल, दुबई.

जब एक ही मैच में दो गेंदबाजों को मिले 6-6 विकेट

मुम्बई (ईएमएस)। एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में कई अजीब रिकार्ड भी बनने रहे हैं। अब तक केवल एक बार ऐसा हुआ है जब दोनो ही टीमों के एक-एक गेंदबाज ने पारी में 6-6 विकेट लिए हैं। साल 2017 में अफगानिस्तान और आयरलैंड के बीच ग्रेटर नोएडा में हुए एकदिवसीय मैच में ये रिकार्ड बना था और गेंदबाज थे पॉल स्टर्लिंग ओर राशिद खान।इस मैच में आयरलैंड की ओर से स्टर्लिंग और अफगानिस्तान की ओर से राशिद ने 6-6 विकेट लिए थे। तब दोनों ही टीमों ने पारियों में 300 से अधिक रन बनाये थे। वहीं एक बल्लेबाज ने शतक लगाया था जबकि एक अन्य शतक के करीब आकर भी उसे पूरा नहीं कर पाया था। इस मैच में अफगानिस्तान को 34 रनों से जीत मिली थी। तब इस मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान टीम ने 338 रन बनाए थे। असगर ने 101 रन बनये थे। वहीं आयरलैंड की ओर से गेंदबाजी करते हुए पॉल स्टर्लिंग ने 10 ओवर्स में 55 रन देकर 6 विकेट लिए थे।

शेयर बाजार सपाट पर बंद

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार मंगलवार को हल्की बढ़त पर बंद हुआ। दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही निवेशकों की बेरुखी से बाजार में सपाट कारोबार हुआ। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स केवल 13.65 अंक करीब 0.02 फीसदी बढ़कर 81,711.76 पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी भी मात्र 7.15 अंक तकरीबन 0.03 फीसदी बढ़कर 25,017.75 पर बंद हुआ।

आज वित्तीय क्षेत्रों के शेयरों में उछाल रहा। निफ्टी वित्तीय में आज 0.82 की बढ़त और निफ्टी बैंक में 0.26 की बढ़ोतरी आई। इससे उर्जा और उपभोक्ता क्षेत्रों के शेयरों में गिरावट रही। वहीं व्यापक सूचकांकों की बात करें तो निफ्टी स्मॉलकैप 1.05 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। मीडिया और वित्तीय सेवा प्रदाता कंपनियां 4.10 फीसदी तक की तेजी के साथ सभी सेक्टोरल इंडेक्स में शीर्ष पर रहीं, जबकि एफएमसीजी, धातु, वाहन और उपभोक्ता उत्पाद निचले स्तर पर बंद हुए।

आज निफ्टी के 31 शेयर गिरावट पर बंद हुए। इसमें टाइटन, हिंदुस्तान यूनिलीवर, जेएसडब्लयू स्टील, कोल इंडिया और ग्रासिम जैसे कंपनियां रहीं। वहीं सेंसेक्स के 19 शेयर नुकसान पर बंद हुए। इसमें हिंदुस्तान यूनिलीवर, जेएसडब्लयू स्टील और टाइटन कंपनी के शेयर 2.01 फिसदी तक गिरे।

वहीं सबसे अधिक लाभ वाले शेयरों की बात करें तो

निफ्टी में बजाज फिनसर्व, एसबीआई लाइफ, मारुति सुजूकी, एचडीएफएल लाइफ और लॉर्सन एंड टुब्रो टॉप परफॉर्मिंग कंपनियां रहीं। जबकि बीएसई पर बजाज फिनसर्व, मारुति सुजूकी, लॉर्सन एंड टुब्रो (एलएंड), बजाज फाइनेंस और इंफोसिसके शेयर ऊपर आये। आईसीआईसीआई बैंक , सनफार्मा, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल और नेस्ले इंडिया रहीं।

शुरुआती कारोबार में बीएसई सेंसेक्स .07 प्रतिशत की गिरावट के साथ 81,640.15 पर कारोबार करता दिखा, जबकि निफ्टी 50, 25,024 के स्तर खुला। दूनिया भर के बाजारों की बात करें तोएसएंडपी 500 इंडेक्स 0.32 फीसदी गिरकर 5,616.84 अंकों पर बंद हुआ। नैस्डैक 0.85 फीसदी गिरकर 17,725.77 अंकों पर बंद हुआ, जबकि डाउ जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 0.16 फीसदी बढ़कर 41,240.52 अंकों पर पहुंच गया। जापान का निक्केई 225 सूचकांक 0.35 फीसदी की गिरावट पर था, जबकि व्यापक टॉपिक्स सूचकांक स्थिर रहा। दक्षिण कोरिया का कोस्पी सूचकांक 0.42 फीसदी गिरा, जबकि छोटे कैप का कोस्डाक सूचकांक 1.14 फीसदी की बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

तिरुपति के अस्पताल में मरीज ने किया महिला डॉक्टर पर हमला, सुरक्षा को लेकर विरोध में उतरे छात्र

तिरुपति। कोलकाता में ट्रेनी डॉक्टर के साथ अस्पताल में हुए दुष्कर्म और हत्या के बाद डॉक्टर्स की नाराजगी जारी है। हड़ताल पर गए डॉक्टर्स सरकार से न्याय के साथ अस्पतालों में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग कर रहे हैं।

इसी बीच आंद्र प्रदेश के श्री वेंकटेश्वर इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (एञ्श्एए) के कैजुअल्टी वार्ड में एक मरीज द्वारा महिला इंटर्न पर हमला करने का मामला सामने आया है।महिला इंटर्न पर हमला करने की घटना के बाद पद्मावती मेडिकल कॉलेज फॉर विमेन के जूनियर डॉक्टरों और छात्राओं ने घटना के विरोध में विरोध-प्रदर्शन किया। मरीज की पहचान बंगाराजू के रूप में हुई है जो परिवार के साथ तीर्थयात्रा के लिए तिरुमाला आया हुआ था। वह एक मरीज के इलाज के लिए अस्पताल आया था। उसने इसी दौरान मरीज का इलाज कर रही महिला इंटर्न पर हमला कर दिया।

महिला इंटर्न पर हमला करने के बाद पद्मावती मेडिकल कॉलेज फॉर विमेन के जूनियर डॉक्टरों और छात्राओं ने घटना के विरोध में विरोध-प्रदर्शन किया। मरीज की पहचान बंगाराजू के रूप में हुई है। आरोपी बंगाराजू अपने परिवार के साथ तीर्थयात्रा के लिए तिरुमाला आया हुआ था। वह एक मरीज के इलाज के लिए शनिवार को एसवीआईएमएस अस्पताल आया था। इसी दौरान मरीज का इलाज कर रही महिला इंटर्न पर हमला कर दिया।

महिला इंटर्न पर हमला करने का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें बंगाराजू डॉक्टर पर साफ हमला करते हुए दिखाई दे रहा है। बता दें कि देश भर के डॉक्टर्स अस्पतालों में अपनी सुरक्षा के लिए केंद्र सरकार से 'सेंट्रल प्रोटेक्शन एक्ट' यानी केंद्रीय संरक्षण अधिनियम की मांग की हैं,

सोना-चांदी के भावों में आई गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने-चांदी के वायदा भाव में मंगलवार को नरमी देखने को मिल रही है। दोनों के वायदा भाव मंगलवार को गिरावट के साथ खुले। सोने के वायदा भाव 71,800 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 85,400 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। वै?श्विक बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 141 रुपये की गिरावट के साथ 71,898 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 239 रुपये की गिरावट के साथ 71,800 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 350 रुपये की गिरावट के साथ 85,350 रुपये पर खुला। इस समय यह 247 रुपये की गिरावट के साथ 85,421 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वै?श्विक बाजार में सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। कॉमेक्स पर सोना 2,553.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,555.20 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 11.90 डॉलर की गिरावट के साथ 2,543.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 29.91 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 30 डॉलर था। इस समय यह 0.10 डॉलर की गिरावट के साथ 29.90 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

सरकारी नीतियों की निरंतरता से उद्योग को मिलेगी उच्च वृद्धि

- मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन भार्गव ने की सरकार की तारीफ

नई दिल्ली,(ईएमएस)। मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर सी भार्गव ने कहा कि भारत ने आर्थिक वृद्धि और लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के बीच विरोधाभास को गलत साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि सरकार और नीतियों की निरंतरता से उद्योग को लगातार उच्च वृद्धि पर यकीन है। भार्गव ने कंपनी की वार्षिक आम बैठक में शेयरधारकों से कहा कि भारत की लोकतांत्रिक प्रक्रियाएं इसे एक सतत और समतापूर्ण समाज की ओर ले जाएंगी। उद्योग और सरकार 2047 तक भारत को एक विकसित देश बनाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिए मिलकर काम कर सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले कुछ सालों में लोगों को यह कहते सुना है कि तेज आर्थिक वृद्धि और लोकतांत्रिक राजनीतिक व्यवस्था के बीच कोई मेल नहीं हैं। भार्गव ने कहा कि आज हम दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था हैं और हमारे पीएम मोदी सबसे सम्मानित वैश्विक नेताओं में से एक हैं। उन्होंने कहा कि समय-समय पर दुनिया ने देखा है कि हम लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के प्रति कितने प्रतिबद्ध हैं।

हाल ही संपन्न हुए लोकसभा चुनावों का जिक्र करते हुए भार्गव ने कहा कि इस चुनाव ने फिर दिखा दिया कि करोड़ों लोग शांतिपूर्ण तरीके से वोटिंग कर सकते हैं और उस प्रक्रिया के परिणामों को स्वीकार कर सकते हैं। भार्गव ने माना कि समान और तीव्र आर्थिक वृद्धि और विकास के लिए नीतियों और रणनीतियों को स्थिर होने में कुछ समय लगा है। उन्होंने आगे कहा लेकिन हमने शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के जरिए सही रास्ता खोज लिया है। यह दुनिया के कई हिस्सों और हमारे पड़ोस में जो हमने देखा है, उसके बिल्कुल अलग है।

दूरसंचार कंपनियों की तरह नियमों का पालन करें सभी संचार सेवा प्रदाता: सीओएआई

मुंबई (ईएमएस)। उद्योग निकाय सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) ने कहा कि देश की सुरक्षा अत्यंत महत्वपूर्ण है और इस संबंध में ओटीटी-आधारित संचार सेवाओं सहित सभी संचार सेवा प्रदाताओं को देश के अपेक्षित निर्देशों का पालन करना चाहिए, जैसा कि दूरसंचार सेवा प्रदाता करते हैं। उम्मीद है कि व्हाट्सएप, गूगल मीट और टेलीग्राम जैसे इंटरनेट कॉलिंग और मैसेजिंग ऐप नियमों का बाकी सभी सेवा प्रदाताओं की ही तरह पालन करेंगे। सीओएआई ने कहा कि ओवर-द-टॉप (ओटीटी) संचार ऐप को दूरसंचार अधिनियम, 2023 से बाहर करने की मांग करना भ्रामक है क्योंकि विभिन्न गैर-क्षेत्रीय नियमों के दूरसंचार कंपनियों पर भी लागू होने से वे अन्य नियमों के दायरे में आते हैं।

सीओएआई के सदस्यों में रिलायंस जियो, भारती एयरटेल और वोडाफोन आइडिया शामिल हैं। सीओएआई के एक व?रिष्ठ अ?धिकारी ने कहा कि दूरसंचार कंपनियों ने वैध इंटरसेप्शन (कॉल को सुनने की कानूनी मंजूरी) और निगरानी के लिए बुनियादी ढांचे की स्थापना में भारी निवेश किया है। इसके बावजूद अनियमित अनुप्रयोग-आधारित संचार सेवाएं इस तंत्र को पूरी तरह से दरकिनार कर देती हैं, जो देश की सुरक्षा के लिए एक बड़ा खतरा है। मामला दूरसंचार अधिनियम, 2023 के तहत स्पष्ट रूप से कवर की गई संचार सेवाओं की नियामकीय निगरानी से संबंधित है। यह उजागर करना महत्वपूर्ण है कि टीएसपी, जो दूरसंचार अधिनियम द्वारा शासित हैं, संसद द्वारा निर्धारित उपरोक्त सभी कानूनों द्वारा विनियमित हैं। दूरसंचार कंपनियां मांग कर रही हैं कि सरकार को कॉलिंग और मैसेजिंग ऐप पर समान नियम लागू करके समान हालात पैदा करने चाहिए क्योंकि यह उन पर लागू है।

सरकार मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम पर लगा सकती है प्रतिबंध

नई दिल्ली (ईएमएस)। मैसेजिंग ऐप टेलीग्राम की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। दरअसल, भारत सरकार क्रिमिनल एक्टिविटीज को लेकर टेलीग्राम की जांच कर रही है। इनमें जबरन वसूली और जुआ जैसे मामले शामिल हैं। एक सरकारी अधिकारी के मुताबिक जांच के नतीजों में अगर इन मामलों की पुष्टि होती है तो सरकार इस मैसेजिंग ऐप पर रोक लगा सकती है। कंपनी के 39 साल के फाउंडर और सीईओ पावेल डुरोव की 24 अगस्त को पेरिस में गिरफ्तारी के बाद यह मामला सामने आया है। उन्हें ऐप की मॉडरेशन पॉलिसी को लेकर गिरफ्तार किया गया है। खबरों के मुताबिक उन्हें ऐप पर क्रिमिनल एक्टिविटीज को रोकने में नाकाम रहने पर हिरासत में लिया गया। सरकारी अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर बताया ?कि इंडियन साइबरक्राइम कोऑर्डिनेशन सेंटर और मिनिस्ट्री ऑफ इलेक्ट्रॉनिक्स एंड इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी टेलीग्राम पर पी2पी कम्युनिकेशन की जांच कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जांच में जबरन वसूली और जुआ जैसी क्रिमिनल एक्टिविटीज पर खास नजर रखी जा रही है। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी सामने आएगा, उसके आधार पर फैसला लिया जाएगा। टेलीग्राम के भारत में 50 लाख रजिस्टर्ड यूजर्स हैं।

विमानन क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा कम होने से हवाई किराए में आई तेजी

- विमानों की संख्या कम होने से इं?डिगो और एयरइं?डिया का हवाई बाजार पर नियंत्रण बढ़ा

मुंबई (ईएमएस)। पिछले कुछ सालों में विमानन क्षेत्र में हवाई यात्रा की मांग में तो बढ़ोतरी देखी जा रही है, लेकिन प्रतिस्पर्धा कम होने से हवाई किराया भी तेजी के साथ बढ़ा है। 2019 में 55.2 फीसदी हवाई मार्ग ऐसे थे, जहां सिर्फ एक ही कंपनी की उड़ानें संचालित हो रही थीं लेकिन अप्रैल 2024 तक यह आंकड़ा बढ़कर 69.2 फीसदी हो गया। यानी कि इस साल अप्रैल तक केवल 30.8 फीसदी मार्गों पर ही दो या दो से अधिक विमानन कंपनियों के बीच प्रतिस्पर्धा थी। विमानन कंपनियों ने प्रतिस्पर्धा घटने के साथ ?किराया भी बढ़ाया है खासकर कोविड-19 महामारी के बाद। दिल्ली-मुंबई मार्ग पर जहां 2019 से 2023 के बीच औसत हवाई किराया 20.5 फीसदी गिरा था, वहीं पिछले साल इसमें 34.6 फीसदी की वृद्धि हुई। इसी तरह दिल्ली-बेंगलूरु मार्ग के इकॉनमी क्लास का औसत किराया एक साल में 53.1 फीसदी बढ़ गया। इस बदलाव का एक कारण 2019 में जेट एयरवेज और 2023 में गोफर्स्ट का दिवालिया होना है। इसके अलावा स्पाइसजेट भी अपने विमानों की संख्या कम कर रही है। ?जिसकी वजह से इं?डिगो और एयरइं?डिया समूह का हवाई बाजार पर नियंत्रण बढ़ गया है, जो जुलाई 2024 तक घरेलू हवाई यात्रा बाजार का 90 फीसदी हिस्सा नियंत्रित कर रहे थे। कई मार्गों पर कम प्रतिस्पर्धा होने के कारण विमानन कंपनियां अब किरायों को बढ़ाने पर ध्यान दे रही हैं। जानकारी के अनुसार 2019 में इंडिगो के लिए 491 घरेलू मार्गों में से 33.4 फीसदी पर कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी लेकिन अप्रैल 2024 में 838 घरेलू मार्गों में से 61.2 फीसदी पर कोई प्रतिस्पर्धा नहीं थी। विमानन विशेषज्ञ कहते हैं कि भारत में हवाई कनेक्टिविटी तेजी से बढ़ी है, लेकिन इसके साथ ही एकाधिकार वाले मार्ग भी बढ़ गए हैं। इंडिगो के एक अ?धिकारी का मानना है कि भारत में दो से अधिक विमानन कंपनियां होनी चाहिए ताकि प्रतिस्पर्धा बढ़े और यात्रियों को बेहतर सेवाएं मिल सकें।

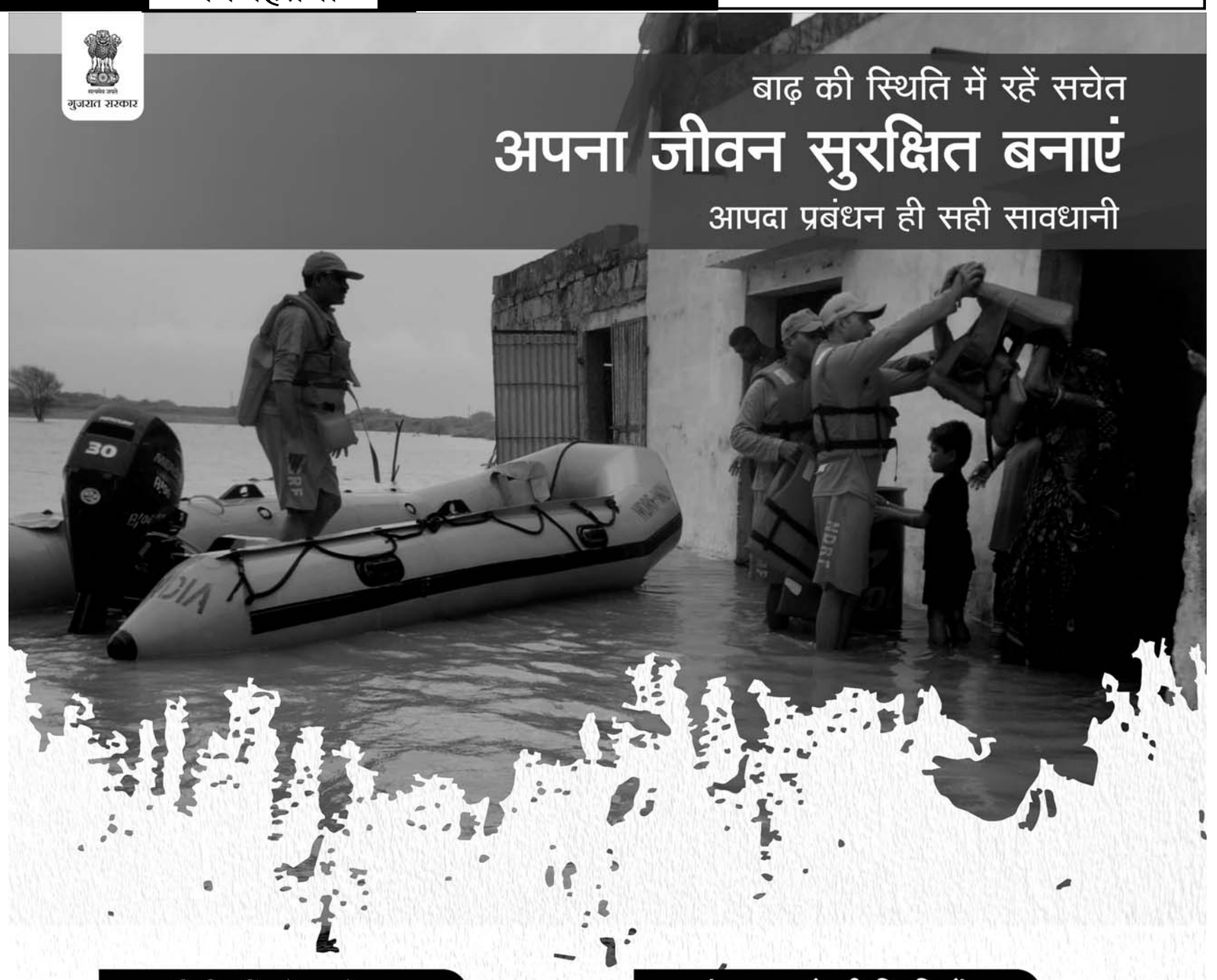

बाढ़ की स्थिति से पहले

- अफवाह न फैलाएं, शांत रहें, घबराएँ नहीं
- स्थानीय प्रशासन के संपर्क में रहकर उनके निर्देशों का पालन करें
- उस सुरक्षित मार्ग का पता लगाएं जो आसपास में सबसे निकट स्थित सुरक्षित स्थल तक पहुंचता हो
- मौसम और बाढ़ की चेतावनी की नवीनतम जानकारी के लिए रेडियो सुनें या टीवी देखें
- अपने मोबाइल फोन को चार्ज करके रखें
- सर्पदंश और उल्टी-दस्त की अतिरिक्त दवाई के साथ प्राथमिक उपचार किट तैयार रखें
- छाते के साथ-साथ साँप जैसे विषैले जीवों से बचाव हेतु अपने पास एक छड़ी भी रखें
- शुद्ध पानी, पैकेज्ड फ़ूड, मोमबत्ती, माचिस, केरोसिन, लालटेन, मजबूत रस्सी, टॉर्च और अतिरिक्त बैटरी अपने पास रखें
- पशुओं को खूँटे से ना बाँधें

स्थानांतरण करने की स्थिति में

- लोगों और पशुओं को ऐसे ऊँचे स्थानों पर लेकर जाएँ, जहाँ उन्हे बाढ़ से सुरक्षित आश्रय मिल सके
- घर के सभी खिड़की-दरवाजे अच्छे से बंद करें और दर्शाये गए मार्ग से सुरक्षित स्थान पर पहुंचे
- गटर को रेत की थैलियों से बंद कर दें ताकि बाढ़ का पानी गटर में प्रवेश ना कर सके
- कपड़े, आवश्यक दवाइयां, कीमती वस्तुओं और निजी दस्तावेजों की वाटरप्रूफ पैकिंग कर अपने साथ रखें
- फर्नीचर एवं घरेलू उपयोग के वस्तुओं को पलंग या टेबल के ऊपर ऊंचाई पर रखें
- घर छोड़ने से पहले बिजली की आपूर्ति और गैस सिलेंडर को बंद करें
- जोखिम भरे जलाशयों से दूर रहें

बाढ़ के दौरान

- गटर और पानी के निकासी मार्ग से दूर रहें
- बिजली के करंट से बचने के लिए बिजली के खंभे और जमीन पर पड़े बिजली के तार से दूर रहें
- संभव हो तो पानी को उबालें और फिर उसके तापमान को सामान्य करने के बाद पिएँ या पानी को अन्य किसी दूसरी प्रक्रिया से कीटाणु मुक्त करने के बाद पिएँ
- आसपास के स्थान को कीटाणु मुक्त रखने के लिए चूने और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव करें
- बच्चों को भूखा न रखें
- ताज़ा पका हुआ भोजन और पैकेज्ड फ़ूड को प्राथमिक्ता दें, भोजन को ढक कर रखें

बाढ़ के बाद

- स्थानीय प्रशासनिक अधिकारी और आपात सेवाओं से जुड़े कार्यकर्ताओं की सलाह ध्यान से सुनकर उसका पालन करें
- मलेरिया से बचने के लिए मच्छरदानी का उपयोग करें
- बच्चों को बाढ़ के पानी के नजदीक न जाने दें
- बिजली के टूटे खंभों, क्षतिग्रस्त पुल-नालों, टूटे कांच और धारदार वस्तुओं एवं कबाड़ से सावधान रहें
- क्षतिग्रस्त बिजली के उपकरणों का उपयोग न करें, इलेक्ट्रिशियन से जांच कराने के बाद ही ऐसे उपकरणों का इस्तेमाल करें
- बाढ़ के पानी में भीगे खाद्य पदार्थों का सेवन न करें
- आपात समय पर राहत और बचाव के लिए यहां दर्शाये गए आपातकालीन कंट्रोल रूम के टेलीफोन नंबर पर सूचित करें

आपातकालीन संपर्क (लैंडलाइन फोन के लिए)* जिला कंट्रोल रूम – १०७७ / राज्य कंट्रोल रूम – १०७०

आपातकालीन नंबर को मोबाइल से डायल करते समय ज़िले का कोड अवश्य जोड़ें

जिम्मेदार बनें

अपनी और अपने आसपास के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें

प्रशासन को सहयोग करें

ताकि साथ मिलकर जल्द से जल्द समस्याओं का समाधान हो सके।

नवीनतम और विश्वसनीय जानकारी नीचे दिए गए सोशल मीडिया हैंडलों से प्राप्त की जा सकती है

@infogujarat | gujaratinformation.official | gujarat.information

अहमदाबाद में लगातार 5 से 9 इंच बारिश, 22 स्टेट हाईवे बंद, ट्रेन और हवाई सेवाएं प्रभावित

अहमदाबाद, 27 अगस्त

पिछले 24 घंटों में राज्य के कई जिलों में मेघराजा ने जल बम की स्थिति पैदा कर दी है. राज्य में बारिश का दबाव बना हुआ है जिसके चलते मौसम विभाग ने अगले 3 दिनों तक भारी बारिश की आशंका जताई है. फिर सोमवार से अहमदाबाद में बारिश शुरू हो गई और लगातार बारिश हो रही है. जिससे शहरवासियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है. निचली सोसायटियों में पानी भर गया है।

अहमदाबाद में औसतन 5 से 9 इंच बारिश से पूरा शहर पानी-पानी हो गया है. गोठान के पानी से शहर की सड़कें और सोसायटी पानी से भर गईं हैं। आज सुबह से हो रही भारी बारिश ने शहरवासियों की चिंता बढ़ा दी है. पिछले 24 घंटों में नरोडा और मणिनगर में सबसे ज्यादा 13 इंच बारिश हुई है. जबकि उस्मानपुरा में 11 इंच दर्ज किया गया है. इसके अलावा शहर के कई इलाकों में औसतन 5 से 9 इंच तक बारिश हुई है. जबकि आज सुबह छह बजे से आठ बजे तक आधा इंच से ज्यादा बारिश दर्ज की गई है. रातभर हुई बारिश के बाद सुबह 6 बजे तक करीब 3 इंच बारिश दर्ज की गई।

दूसरी ओर मेघराजा ने सुबह से ही अहमदाबाद के चांदखेड़ा, वैष्णवदेवी, गोटा, अडालज, वलतेज, भोपाल, न्यू सीजी रोड, साबरमती इलाकों में बैटिंग शुरू कर दी है. आसपास के निचले इलाकों में बाढ़ शुरू हो गई है. अहमदाबाद में आज भी कुछ इलाकों में धीमी तो कुछ इलाकों में तेज बारिश हो रही है. अहमदाबाद में आज भारी बारिश के पूर्वानुमान के साथ ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है। नगर निगम ने अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की सलाह दी है।

गुजरात में भारी बारिश के कारण जगह-जगह जलभराव के कारण 22 स्टेट हाईवे बंद कर दिए गए हैं. वहीं, ट्रेन सेवाएं और हवाई सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं. उड़ानें और ट्रेनें देरी से चल रही हैं।

मांडवी में फरादी-रमानिया के बीच थार जीप में पानी के तेज बहाव में फंसी

भुज, 27 अगस्त

उत्तर-पश्चिमी मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान के ऊपर बढ़ रहे हवा के हल्के दबाव के कारण गुजरात में इन जगह बादल छाए हुए हैं, वहीं कच्छ में भी दस से बारह इंच की भारी बारिश के कारण नदियां और नहरें बेलगाम बह रही हैं. मांडवी तालुक के फरादी से रमणिया जाने वाली सड़क पर पापड़ी (कॉजवे) को पार करते समय एक महिंद्रा थार जीप पानी के तेज बहाव में फंस गई, जो साढ़े आठ इंच बारिश से भीगी हुई थी, लगभग बारह लोगों की भारी खोज के बाद मिली घंटे. अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है. कोडाई पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, जन्माष्टमी की देर शाम पुल पार करने के लिए पुल से बह रहे पानी के तेज बहाव को नजरअंदाज करते हुए थार चालक ने अपनी जान जोखिम में डालकर जीप को बहते पानी में गिरा दिया और जीप फंस गई. दर्शकों की चीख-पुकार के बीच. कार में सवार दो युवकों में से, भुज के अजीत सिंह पृथ्वीराज सिंह जाडेजा ने बांस की एक शाखा पकड़ ली और खुद को फांसी लगा ली और बाद में ग्रामीणों और कोडाई पुलिस ने उन्हें बचा लिया। हालांकि, उसके साथ सवार भूपेन्द्रसिंह जोरूभा राठौड़ नाम का एक अन्य युवक कार सहित कुचल गया। बिजली गिरने और मूसलाधार बारिश के बीच, पुलिस, ग्रामीणों और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरएफ) की एक टीम ने रात भर व्यापक खोज की, लेकिन सफलता नहीं मिली।

कोडाई पुलिस ने बताया कि आज सुबह दस बजे कलंकित थार जीप बरामद कर ली गई है लेकिन भूपेन्द्रसिंह का कोई पता नहीं चला है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि उफन नदी में लापता बने भूपेन्द्रसिंह कच्छ के राजपूत नेता और राजपूत क्षत्रिय समाज के पूर्व अध्यक्ष जोरूभा उर्फ जोरावरसिंह राठौड़ के पुत्र हैं। मालूम हो कि घटना की सूचना मिलने के बाद बड़ी संख्या में नेता अपने आवास और घटनास्थल पर पहुंचे. इस बीच कच्छ में अब भी भारी बारिश का अनुमान है और लोग इंतजार कर रहे हैं कि कब जनजीवन बहाल होगा.

गुजरात में हुई सीजन की सौ फीसदी बारिश, जलाशय लबालब

गांधीनगर, 27 अगस्त

गुजरात में अगस्त महीने में ही सीजन की 100 फीसदी बारिश हो चुकी है. पिछले साल यानी 27 अगस्त 2023 की स्थिति देखी जाए तो राज्य में 81.80 फीसदी बारिश दर्ज की गई थी. सौराष्ट्र-कच्छ, मध्य और उत्तर के साथ-साथ दक्षिण गुजरात में भी तूफान आया है। वहीं, राज्यमें इस समय 96 बांध हाई अलर्ट पर हैं. जबकि 19 बांध अलर्ट पर हैं.

गुजरात में 27 अगस्त 2024 सुबह 11 बजे तक राज्य में औसतन 101.58 फीसदी बारिश हो चुकी है. जिसमें कच्छ में सीजन की कुल 116.79 फीसदी बारिश हुई है, जबकि उत्तर गुजरात में सीजन की सबसे कम कुल 79.99 फीसदी बारिश दर्ज की गई है. इसके अलावा पूर्वी-मध्य गुजरात में सीजन की औसत 98.74 फीसदी, सौराष्ट्र क्षेत्र में 101.52 फीसदी, दक्षिण गुजरात में 108.20 फीसदी बारिश हुई है, इस साल देवभूमि द्वारका जिले में सबसे ज्यादा 170 फीसदी बारिश हुई है सीजन की अब तक की बारिश. पोरबंदर जिले में सीजन की 136 फीसदी बारिश दर्ज की गई है.

27 अगस्त 2024 को सुबह 8 बजे तक प्रदेश की जीवनदायिनी नर्मदा बांध 86.97 प्रतिशत भर चुका है। राज्य के अन्य 206 बांधों में 72.76 फीसदी पानी जमा है. फिलहाल राज्य में 76 बांध पूरी तरह भर चुके हैं. जबकि 46 बांध 70 से 100 फीसदी तक भर गए हैं. 23 डेमो ऐसे हैं जो 50 से 70 प्रतिशत तक भरे हुए हैं। जबकि 30 बांध 25 से 50 फीसदी तक भर चुके हैं. राज्य में 31 बांध ऐसे हैं जिनकी जल भंडारण क्षमता 25 प्रतिशत से कम है. राज्य में फिलहाल 96 बांध हाई अलर्ट पर हैं. जबकि 19 बांध अलर्ट पर हैं. सात बांधों को हाई अलर्ट पर रखा गया है. अब तक खाली राजकोट का आजी बांध भी ओवरफ्लो हो गया है. इससे पहले की बारिश में भी सौराष्ट्र के बांधों में पानी की अच्छी आवक हुई थी.

सूरत में उकाई से लगातार पानी छोड़े जाने से कॉजवे 10 मीटर तक बह गया

सूरत, 27 अगस्त

सूरत समेत गुजरात में रेड अलर्ट के साथ बारिश हो रही है और उकाई के ऊपरी इलाकों में भारी बारिश के कारण पानी छोड़ा जा रहा है. उकाई बांध से पानी छोड़े जाने के कारण सूरत में तापी नदी ने रौद्र रूप धारण कर लिया है. जिसके कारण सूरत का कॉजवे 10 मीटर से अधिक पानी में डूबकर सतह से बह रहा है. तापी नदी में छोड़े गए पानी के कारण तापी नदी के किनारे बने पैदल मार्ग पर भी पानी घुस गया. नगर निगम प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे किसी भी तरह की अफवाह पर ध्यान न दें.

उकाई बांध के जलग्रहण क्षेत्र में जलजमाव के कारण बांध अधिकारियों द्वारा पानी छोड़ा जा रहा है इसके चलते सूरत से गुजरने वाली तापी नदी उग्र हो गई है और कॉजवे 10 मीटर से ज्यादा ऊपर बह रहा है और तापी नदी के किनारे बने वॉकवे में पानी घुस गया है.

भारी बारिश की स्थिति के कारण अहमदाबाद समेत इन जिलों की स्कूलों में छुट्टी का ऐलान

गांधीनगर (ईएमएस) गुजरातभर में भारी बारिश की स्थिति को देखते हुए 28 अगस्त को अहमदाबाद समेत कई जिलों में सरकारी और निजी स्कूलों में छुट्टी की घोषणा की गई हैं इस संदर्भ में अहमदाबाद शहर और ग्रामीण डीईओ ने स्कूलों को सूचित कर दिया है। बारिश की स्थिति के कारण कलेक्टर द्वारा प्रशासन से चर्चा के बाद यह फैसला किया गया हैं जिसके मुताबिक बुधवार को भी स्कूलें बंद रहेंगी वडोदरा के बाद अहमदाबाद के सभी स्कूलों में छुट्टी घोषित कर दी गई हैं वडोदरा और अहमदाबाद ही नहीं बुधवार को दाहोद, खेड़ा, मोरबी, पोरबंदर और महिसागर के सभी सरकारी, अनुदान प्राप्त और निजी प्राथमिक विद्यालयों में छुट्टी घोषित की गई है। अहमदाबाद के सभी स्कूलों में कल छुट्टी घोषित कर दी गई हैं इस संदर्भ में अहमदाबाद शहर और ग्रामीण डीईओ ने स्कूलों को सूचित कर दिया है।

राजकोट मेला रद्द, चारो ओर शहर में पानी, सौराष्ट्र में हर जगह बारिश का दौर

राजकोट, 27 अगस्त

पहले जून और जुलाई के महीने में पूरे सौराष्ट्र में बारिश होती थी, लेकिन सौराष्ट्र का केंद्र राजकोट प्यासा और सूखा रहता था, लेकिन दूसरे दौर में राजकोट में बाढ़ आ गई है. शहर में आज सुबह से दोपहर दो बजे तक आठ इंच बारिश हो चुकी है. न केवल शहर में बल्कि राजकोट जिले और सौराष्ट्र में भी मेघगर्जन जारी है।

सौराष्ट्र की दिवाली यानी सातम आठम का त्योहार ही बारिश से धुल गया है. राज्य सरकार राजकोट के विरासत मेले को रद्द करने के लिए मजबूर है, जहां पूरा सौराष्ट्र पानी से भर गया है।

राज्य सरकार की ओर से जारी सर्कुलर में कहा गया है कि मेले को 28 तारीख तक बढ़ा दिया गया था, लेकिन भारी बारिश के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए और लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने मेले को रद्द करने का फैसला किया है. इसके साथ ही रु. 2 करोड़ का खर्चा, मुख्यमंत्री ने सभी स्टॉल धारकों को उनकी किराये की राशि और जमा राशि की पूरी राशि वापस करने का भी आदेश दिया है।

राजकोट में 72 घंटों से बारिश हो रही है. पिछले 24 घंटों में लगभग 13-14 इंच पानी गिर चुका है और अभी भी बारिश हो रही है. शहर में पानी को लेकर अक्सर समस्या रहती है. ऐसा कोई क्षेत्र नहीं है जहां बाढ़ न आती हो.

सिर्फ राजकोट ही नहीं बल्कि सौराष्ट्र के अन्य जिलों में भी जल बम की स्थिति है। सुबह 6 बजे से दोपहर 2 बजे तक राजकोट के कोटडा सांगाणी में सात इंच, लोधिका में सात इंच, देवभूमि द्वारका के खंभालिया में छह इंच, कल्याणपुर में छह इंच, भाणवड में पांच इंच, जामनगर शहर में चार इंच, पोरबंदर शहर में चार इंच बारिश हुई। अन्य तालुकाओं और शहरों में भी दो से तीन इंच बारिश हुई। अभी भी भारी बारिश के पूर्वानुमान के बीच लोगों को सतर्क रहने को कहा गया है।

राज्य में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 7 लोगों की मौत, सैंकड़ों लोग सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाए गए

अहमदाबाद (ईएमएस) गुजरात में पिछले तीन दिनो से हो रही भारी बारिश का जनजीवन पर प्रतिकूल प्रभाव हुआ हैं राज्य में बारिश से जुड़ी विभिन्न घटनाओं में 7 लोगों की मौत हो चुकी हैं जबकि सैंकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका हैं जानकारी के मुताबिक सोमवार को राज्य के विभिन्न हिस्सों में बारिश से जुड़ी घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई गांधीनगर, खेड़ा और वडोदरा जिलों में दीवार गिरने की घटनाओं में चार लोगों की मौत हो गई, जबकि आणंद जिले में पेड़ गिरने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और बारिश के पानी में डूबने से दो लोगों की मौत हो गई। पंचमहल, नवसारी, वलसाड, वडोदरा, भरूच, खेड़ा, गांधीनगर, बोटाद और अरावली जिलों में प्रशासन ने नदियों और बांधों में जल स्तर बढ़ने और निचले इलाकों में बाढ़ के बीच एहतियात के तौर पर सैकड़ों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित कर दिया है। पंचमहल में लगभग दो हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया हैं जबकि नवसारी में यह आंकड़ा 1,200, वडोदरा में 1,000 और वलसाड में 800 है।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य में भारी वर्षा से उत्पन्न स्थिति की समीक्षा की

गांधीनगर 27 अगस्त

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने समग्र राज्य में भारी वर्षा के कारण उत्पन्न स्थिति में प्रशासन द्वारा किए जा रहे कामकाज तथा राहत-बचाव के कदमों की समीक्षा के लिए मंगलवार को गांधीनगर स्थित स्टेट इमर्जेंसी ऑपरेशन सेंटर (एसईओसी) से वीडियो कॉन्फ्रेंस आयोजित की। पटेल ने जिला कलेक्टरों तथा महानगर पालिका आयुक्तों से उनके द्वारा त्वरित कार्यवाही कर लोगों को सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित किए जाने, रेस्क्यू, जीवन आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति की उपलब्धि की व्यवस्था तथा राहत रसोई व्यवस्था आदि किए जाने का गहन विवरण प्राप्त किया।

एसईओसी में इस बैठक में मुख्यमंत्री के साथ मुख्य व अपर मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, श्री एम. के. दास तथा राजस्व, ऊर्जा, स्वास्थ्य, जलापूर्ति, सड़क एवं भवन आदि संबंधित विभागों के वरिष्ठ भी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री द्वारा की गई इस समीक्षा बैठक में बताया गया कि समग्र राज्य में 27 अगस्त मंगलवार सुबह 10 बजे तक मौसम की कुल 99.66 प्रतिशत वर्षा हुई। इसमें कच्छ अंचल में औसत 116.79 प्रतिशत, उत्तर गुजरात अंचल में 79.99 प्रतिशत, सौराष्ट्र में 101.52 प्रतिशत, दक्षिण गुजरात में 108.20 प्रतिशत तथा मध्य गुजरात में 98.74 प्रतिशत वर्षा दर्ज हुई है।

इससे पूर्व, पिछले 24 घण्टों में राज्य के 33 जिलों में 251 तहसीलों में वर्षा हुई है, जिसमें सर्वाधिक 347 मिलीमीटर वर्षा मोरबी जिले की टंकारा तहसील में हुई। पिछले 24 घण्टों में औसत 94.20 मिलीमीटर वर्षा दर्ज हुई है। मंगलवार सुबह 6 से 10 बजे तक राजकोट तहसील में सर्वाधिक 142 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड हुई है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने भारी वर्षा के फलस्वरूप राज्य में 15 नदियों, 21 तालाबों व जलाशयों के ओवरफ्लो होने की स्थिति की समीक्षा करते हुए जिला कलेक्टरों को स्पष्ट निर्देश दिए कि कोई भी व्यक्ति ऐसे नदी, नाले, तालाब में न जाए, इसे लेकर पूरी सतर्कता व सावधानी बरतना आवश्यक है।

मुख्यमंत्री ने सभी जिला कलेक्टरों को निर्देश दिए कि लो ओवरफ्लो हुई नदियों के बहाव या नालों में न जाएँ; इसके लिए पुलिस की सहायता से सख्ती से काम लिया जाए। राज्य के जलाशयों की समीक्षा के दौरान बताया गया कि 206 जलाशयों में उनकी जल संग्रहण क्षमताका 72.33 प्रतिशत पानी की आवक हुई है, 76 जलाशय 100 प्रतिशत भर गए हैं और 96 जलाशयों हाई अलर्ट व 19 जलाशयों को अलर्ट पर रखा गया है। बैठक में बताया गया कि राज्य सरकार को इस आसमानी आपदा के दौरान राहत-बचाव कार्य आदि में सहायता के लिए सेना की 6 टुकड़ियाँ आवंटित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, राष्ट्रीय आपदा बचाव दल (एनडीआरएफ) की 14 एवं राज्य आपदा बचाव दल (एसडीआरएफ) की 22 टीमें भी आपदा प्रबंधन में मदद कर रही हैं।

बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड का इनिशियल पब्लिक ऑफर 30 अगस्त को खुलेगा

अहमदाबाद, 27 अगस्त, 2024: वैल्यू फैशन रिटेलर, बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड ने प्रत्येक रु.370 से रु.389 प्रति इक्विटी शेयर तय किया है। इसकी फेस वैल्यू 5 रुपए है। कंपनी का **IPO** सब्सक्रिप्शन के लिए शुक्रवार, 30 अगस्त, 2024 को खुलेगा और मंगलवार, 03 सितंबर, 2024 को बंद होगा। इन्वेस्टर न्यूनतम 38 इक्विटी शेयरों के लिए बोली लगा सकते हैं। उसके बाद 38 इक्विटी शेयरों के मल्टीपल में बोली लगाई जा सकती है। बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड एक वैल्यू फैशन रिटेलर है जो 'वैल्यू रिटेल' स्टोर्स के जरिए क्वालिटी और अफोर्डेबल प्रोडक्ट ऑफर करता है।

IPO में 148 करोड़ रुपए तक का फ्रेश इश्यू और प्रमोटर ग्रुप सेलिंग शेयरहोल्डर्स और इन्वेस्टर सेलिंग शेयरहोल्डर्स द्वारा 1,76,52,320 इक्विटी शेयरों का ऑफर फॉर सेल **(OFS)** शामिल है।

फ्रेश इश्यू से मिले पैसों में से 146 करोड़ रुपए तक का इस्तेमाल कंपनी की

कुछ उधारी के लिए किए गए कर्ज के प्रीपेमेंट या रीपेमेंट के लिए और जनरल कॉर्पोरेट पर्पज के लिए किया जाएगा।

इस महीने की शुरुआत में, बाजार स्टाइल रिटेल लिमिटेड ने वोल्राडो वेंचर्स पार्टनर्स फंड II को 387 रुपए प्रति इक्विटी शेयर (382 रुपए प्रति इक्विटी शेयर के प्रीमियम सहित) के निर्गम मूल्य पर 9,56,072 इक्विटी शेयरों का निजी प्लेसमेंट किया था, जो कुल मिलाकर 37 करोड़ रुपए था। इसके अनुसार, फ्रेश इश्यू कम हो गया है।

टेक्नोपैक रिपोर्ट के अनुसार, 2013 में निगमित, स्टाइल बाजार की पश्चिम बंगाल और ओडिशा राज्यों में ऑर्गनाइज्ड वैल्यू रिटेल मार्केट में क्रमशः 3.03% और 2.22% की बाजार हिस्सेदारी थी। वित्त वर्ष 2024 में लिस्टेड वैल्यू रिटेलर्स की तुलना में पूर्वी भारत में इसका सबसे बड़ा रिटेल फुटप्रिंट है। **V2** रिटेल लिमिटेड और वी-मार्ट रिटेल लिमिटेड (लिस्टेड वैल्यू रिटेलर्स) की तुलना में, स्टोर की संख्या और ऑपरेशन्स से रेवेन्यू दोनों के मामले में कंपनी 2017 से 2024 के बीच सबसे तेजी से बढ़ती वैल्यू रिटेलर थी।

एक्सिस कैपिटल लिमिटेड, इंटेंसिव फिस्कल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड और जेएम फाइनेंशियल लिमिटेड बुक रनिंग लीड मैनेजर हैं और लिंक इनटाइम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ऑफर का रजिस्ट्रार है। इक्विटी शेयरों को बीएसई और एनएसई पर लिस्ट करने का प्रस्ताव है।

प्रदेशभर में मनाया गया कनैया जन्मोत्सव, दर्शन कर श्रद्धालु हुए धन्य

अहमदाबाद, 27 अगस्त

रात ठीक 12 बजे शंखनाद, जलारानाद, घंटानाद के गगनभेदी जय घोष के साथ नंद घेर आनंद भेहो जय कनैयालालकी की आतिशबाजी के साथ कृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया। इसके साथ ही द्वारका, शामलाजी, डाकोर समेत राज्य भर के मंदिर कृष्णमय हो गए। रात में कर्णप्रिय मटकीगीता का गायन और कृष्णभक्ति के गीतों की गुंजन हुई।

राज्यभर के मंदिरों, सोसायटियों और घरों में सोमवार को कृष्ण जन्माष्टमी का भव्य उत्सव मनाया गया। मंदिर, समाज और घर सजावट से भक्तिमय हो गए और नंद घर आनंद बहो, जय कनैया लाल की जैसेनारोंसेवातावरणगूंजउठा। जन्माष्टमी के दिन घोड़ापुर स्थित द्वारका, डाकोर समेत राज्यभर के कृष्ण मंदिरों में भक्तों का तांता लगा रहा।

कृष्ण मंदिरों को फूलों से सजाया गया और विभिन्न थीम पर मंदिर को सजाया गया। दिन में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के अलावा रात्रि में भजनों के साथ कृष्ण जन्मोत्सव भव्य रूप से मनाया गया। कृष्ण जन्मोत्सव के उत्सव के साथ भक्तों को प्रसाद, पंजरी और विभिन्न मिठाइयाँ भी दी गईं। इसके अलावा कल (सोमवार) दिन में जगह-जगह मटकियां बनाई गईं, कहीं सोसायटी के निवासियों ने तो कहीं गोविंदाओं ने मटकियां फोड़कर जन्माष्टमी मनाई.

मंदिरों, सोसायटियों और घरों में सुबह से देर रात तक भजन-कीर्तन के कार्यक्रम आयोजित किए गए। रात ठीक 12 बजे मंदिर के अलावा घरों और सोसायटियों में शंखनाद के साथ नंद घेर आनंद बहे, जय कनैया लाल की, हाथी घोड़ा पालकी, जय कनैया लालकी के जयकारे गूंज उठे।

जहां पूरे गुजरात में श्री कृष्ण का 5251वां जन्मोत्सव पारंपरिक तरीके से मनाया जा रहा है, वहीं शामलाजी, डाकोर, द्वारका में लाखों श्रद्धालु भगवान श्री कृष्ण के दर्शन के लिए पहुंचे हैं। दूसरी ओर, कृष्ण जन्मोत्सव की उल्टी गिनती को ध्यान में रखते हुए, सिस्टम ने कालिया ठाकर के दर्शन के लिए देश भर से आने वाले लाखों तीर्थयात्रियों को उचित सुविधाओं के साथ-साथ सुरक्षा प्रदान करने की योजना बनाई है। जन्माष्टमी पर्व पर राज्य के द्वारका, शामलाजी और डाकोर मंदिरों को रंग-बिरंगी रोशनी से सजाया गया है।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव के दौरान शामलाजी में भगवान को शंख, चक्र, गदा, पद्म, सोने के बनियान सहित सोने की मालाओं से सजाया जाता है। जिसमें हिराजदित मुकुट की अनूठी सजावट के साथ-साथ वाघा की सजावट विशेष कारीगरों द्वारा की गई है। उधर, मंदिर परिसर में मटकी फोड़ कार्यक्रम के बाद शामलाजी में युवाओं की टोली ने गरबा का रमजात बुलाया। जब शामलाजी में भगवान शामलाजी की शोभा यात्रा निकली।

डाकोर में सुबह 4:45 बजे राजाधिराज के दर्शन होते ही पूरा मंदिर परिसर भक्तों के 'जय रणछोड़ मक्खड़ चोर' के जयकारों से गूंज उठा। दूसरी ओर, राज्य भर में भारी बारिश के बीच भगवान कृष्ण के दर्शन के लिए तीर्थयात्रियों की भीड़ उमड़ पड़ी। इस दौरान लोग डकोर का गोटा खाने के लिए जद्दोजहद करते दिखे। इसके अलावा श्रद्धालुओं ने गोमती घाट का भी लुत्फ उठाया।

उम्रकैद की सजा पाए आसाराम को अचानक मुंबई लाया गया

अहमदाबाद, 27 अगस्त

सगीरा से बलात्कार के आरोप में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को आज जोधपुर से मुंबई लाया गया। राजस्थान हाईकोर्ट ने आसाराम को इलाज के लिए सात दिन की पैरोल दी है।

पैरोल मिलने के दो हफ्ते बाद मंगलवार को उन्हें फ्लाइट से जोधपुर से मुंबई एयरपोर्ट लाया गया. यहां राजस्थान पुलिस ने आसाराम को मुंबई पुलिस को सौंप दिया। मुंबई पुलिस उन्हें इलाज के लिए यहां से पुणे के माधवबाग आयुर्वेदिक अस्पताल ले जाएगी।

मुंबई में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किये गये. सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुलिस ने जोधपुर एयरपोर्ट के साथ-साथ मुंबई एयरपोर्ट पर भी कड़ी व्यवस्था की थी. इसके अलावा आसाराम के फ्लाइट में चढ़ने तक उस फ्लाइट में यात्रा कर रहे यात्रियों के अलावा किसी अन्य के लिए एयरपोर्ट में प्रवेश वर्जित कर दिया गया था. आसाराम को पुणे में एक निजी कुटिया में रखा जाएगा और उनके इलाज और यात्रा का पूरा खर्च उन्हें ही उठाना होगा। इसके अलावा पुलिस तैनाती का खर्च भी आसाराम खुद उठाएंगे. 13 अगस्त को हाईकोर्ट ने आसाराम को पुणे में इलाज कराने के लिए सात दिन की पैरोल दी थी।

आसाराम की गिरफ्तारी के बाद पहली बार 1 सितंबर 2013 को कोर्ट ने आसाराम की ओर से दायर याचिका मंजूर कर ली थी. इससे पहले, खराब स्वास्थ्य के आधार पर सजा में छूट की आसाराम की याचिका को हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया था।

मुख्यमंत्री ने इस्कॉन मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव में आरती की

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल सोमवार मध्य रात्रि में अहमदाबाद स्थित अंतरराष्ट्रीय कृष्ण भावनामृत संघ (इस्कॉन) मंदिर में आयोजित कृष्ण जन्म महोत्सव में सहभागी हुए। भूपेंद्र पटेल ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म के मंगल अवसर पर उनका स्वागत-सत्कार करते हुए आरती की। उन्होंने इस्कॉन मंदिर में भगवान श्री कृष्ण की पूजा-अर्चना की तथा उपस्थित भक्तों-श्रद्धालुओं का अभिवादन स्वीकार किया। इससे पूर्व; मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल जब इस्कॉन मंदिर पहुँचे, तब इस्कॉन-अहमदाबाद के अध्यक्ष कलानाथ प्रभु ने उनका स्वागत किया।

के.सी. महिंद्रा एजुकेशन ट्रस्ट ने महिंद्रा ऑल इंडिया टैलेंट स्कॉलरशिप 2024 के लिए आमंत्रित किए आवेदन

27 अगस्त, 2024- के.सी. महिंद्रा एजुकेशन ट्रस्ट (केसीएमईटी) ने महिंद्रा ऑल इंडिया टैलेंट स्कॉलरशिप 2024 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। देश में मान्यता प्राप्त सरकारी पॉलिटेक्निक संस्थानों से रोजगार-उन्मुख डिप्लोमा कोर्स करने की इच्छा रखने वाले कम आय वाले परिवारों के छात्रों को प्रोत्साहित करने और उन्हें सपोर्ट करने के लिए महिंद्रा ऑल इंडिया टैलेंट स्कॉलरशिप (एमएआईटीएस) प्रदान की जाएगी। उल्लेखनीय है कि के.सी. महिंद्रा एजुकेशन ट्रस्ट पिछले 71 वर्षों से हजारों छात्रों को विभिन्न प्रकार की छात्रवृत्ति प्रदान करके उनके जीवन में बदलाव लाने के लिए निरंतर प्रयास कर रहा है।

हर साल 550 छात्रों को अधिकतम 3 वर्षों के लिए प्रति वर्ष 10,000/- रुपये की छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। पात्र होने के लिए, उम्मीदवार को 10वीं/12वीं कक्षा में 60 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ एसएससी/एचएससी या समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण होना चाहिए। उम्मीदवार को डिप्लोमा कोर्स के लिए किसी सरकारी या किसी अन्य मान्यता प्राप्त पॉलिटेक्निक संस्थान में प्रवेश प्राप्त करना चाहिए। यह छात्रवृत्ति पाठ्यक्रम के पहले वर्ष में नामांकन करने वाले उम्मीदवारों को ही दी जाएगी।

महिंद्रा ऑल इंडिया टैलेंट स्कॉलरशिप (एमएआईटीएस) के बारे में अधिक जानकारी के लिए कृपया विजिट करें-www.kcmet.org

ट्रक ट्रेलर और टायर एक्सपो के 8वे संस्करण का 29 से 31 अगस्त 2024 तक गांधीनगर में आयोजन

गुजरात, अगस्त 2024: ट्रक ट्रेलर और टायर एक्सपो का 8वां संस्करण गुजरात चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के सहयोग से महात्मा मंदिर एक्जीबिशन और कन्वेंशन सेंटर गांधीनगर में आयोजित किया जा रहा है, जो होस्ट पार्टनर है। इस आयोजन को कई परिवहन और ऑटोमोटिव संघों और 6W रिसर्च द्वारा इस आयोजन के लिए नॉलेज पार्टनर के रूप में समर्थन प्राप्त है। इस आयोजन को प्रोक्योरमेंट मार्केटिंग स्कीम (पीएमएस) के तहत एमएसएमई द्वारा भी समर्थन प्राप्त है, जहां ब्रांड जागरूकता और मार्केट पेनिट्रेशन बनाने के लिए छोटी और सूक्ष्म विनिर्माण/सेवा इकाइयों को वित्तीय सहायता दी जाती है।

हमें आपको 29 से 31 अगस्त 2024 तक महात्मा मंदिर एक्जीबिशन और कन्वेंशन सेंटर - गांधीनगर में आयोजित ट्रक ट्रेलर और टायर एक्सपो के 8वें संस्करण में आमंत्रित करते हुए खुशी हो रही है। इसकी एनाउंसमेंट इवेंट के दौरान श्री राम सौंदलकर, निदेशक - मीडिया डे मार्केटिंग, हैदराबाद, श्री मोहम्मद मुदस्सिर, निदेशक - मीडिया डे मार्केटिंग, हैदराबाद, श्री मुकेशभाई सी. दवे, कार्यकारी अध्यक्ष, अखिल गुजरात ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, श्री शैलेश आई. पटवारी, पूर्व अध्यक्ष, गुजरात चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री,

श्री उमेश शर्मा, सहायक निदेशक - एम एस एमई डीएफओ-अहमदाबाद एवं श्री दीक्षित शाह, अध्यक्ष, फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन आदि उपस्थित रहे थे। यह तीन दिवसीय कार्यक्रम संबंधित उद्योग कोटक ट्रेल ओई एम, आपूर्तिकर्ताओं, वितरकों और संबद्ध उद्योग के सदस्यों से जोड़ता है और प्रासंगिक हितधारकों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने के लिए एक आदर्श मंच है। ऑटोमोबाइल उद्योग और बी2बी संचार के लिए एक उत्कृष्ट मंच के रूप में कार्य करेगा। टीटीटी का दूसरा और तीसरा संस्करण गुजरात सरकार के सहयोग से गांधीनगर में आयोजित किया गया था।

इसका उद्घाटन 29 अगस्त 2024 को सुबह लगभग 10:00 बजे माननीय गृह राज्य मंत्री श्री हर्ष सांघवी द्वारा किया जाए ऐसी संभावना है। निदेशक एमएसएमई- डीएफओ अहमदाबाद, श्री संदीप इंजीनियर, अध्यक्ष, गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री, श्री मुकेशभाई सी दवे, कार्यकारी अध्यक्ष, अखिल गुजरात ट्रक ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, श्री शैलेश आई पटवारी, पूर्व अध्यक्ष, गुजरात चैंबर्स ऑफ कॉमर्स और उद्योग, श्री सुल्तान सिंह चौधरी - अध्यक्ष, अहमदाबाद मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, श्री राजेश सिंघल - सचिव, अहमदाबाद मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, श्री कल्पेश राठौड़ और श्री तपन शर्मा - पूर्व अध्यक्ष अहमदाबाद मोटर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, श्री समीर जे शाह, फेडरेशन ऑफ फेट फॉरवर्डर्स एसोसिएशन इन इंडिया के पूर्व अध्यक्ष, श्री ब्रवीन पटेल, वस एसोसिएशन के अध्यक्ष, उपस्थित रहेंगे।

ट्रक ट्रेलर और टायर एक्सपो एशिया का एकमात्र एक्सपो है जो ट्रक ट्रेलर, टायर और संबद्ध उद्योग को समर्पित है। यह आपके बाज़ार की संभावनाओं को बढ़ाने और विस्तारित करने का प्रयास करने के लिए वन-स्टॉप प्लेटफ़ॉर्म है। आप अपने ज्ञान के लिए उद्योग के प्रभावशाली लोगों के साथ बातचीत कर सकते हैं और अंततः अपने चल रहे व्यवसाय में विकासात्मक बदलाव ला सकते हैं।

एरोन कंपोजिट लिमिटेड की पब्लिक इश्यू से रु. 56.10 करोड़ जुटाने की योजना; आईपीओ 28 अगस्त को खुलेगा

अहमदाबाद, 26 अगस्त 2024: फाइबर ग्लास रिइंफोर्ड पॉलिमर प्रोडक्ट्स के निर्माण और आपूर्ति में लगी अग्रणी कंपनी अहमदाबाद स्थित एरोन कंपोजिट लिमिटेड अपने एसएमई पब्लिक इश्यू से रु.56.10 करोड़ तक जुटाने की योजना बना रही है। कंपनी को नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एनएसई इमर्ज प्लेटफॉर्म पर अपना पब्लिक इश्यू लॉन्च करने की मंजूरी मिल गई है। पब्लिक इश्यू 28 अगस्त को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और 30 अगस्त को बंद होगा। पब्लिक इश्यू की आय में से रु. 39 करोड़ का उपयोग गुजरात के महेसाणा में एक विनिर्माण इकाई की स्थापना के लिए पूंजीगत व्यय आवश्यकताओं को पूरा करने और सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्य के लिए किया जाएगा। हेम सिक्योरिटीज लिमिटेड इस इश्यू की बुक रनिंग लीड मैनेजर है।

रु. 56.10 करोड़ के आईपीओ में रु. 10 अंकित मूल्य के 44.88 लाख

इक्विटी शेयरों का फ्रेश इश्यू शामिल है। कंपनी ने पब्लिक इश्यू के लिए रु. 121-125 प्रति इक्विटी शेयर के प्राइस बैंड को फिक्स किया है। रिटेल निवेशकों के लिए न्यूनतम लॉट साइज 1,000 शेयर है, जिसका न्यूनतम निवेश रु. 125 प्रति शेयर के ऊपरी मूल्य बैंड पर रु. 1,25,000 है। आईपीओ के लिए रिटेल निवेशक कोटा शुद्ध ऑफर के 35% से कम नहीं रखा गया है, एचएनआई कोटा ऑफर के 15% से कम नहीं रखा गया है और क्यूआईबी हिस्सा ऑफर के 50% से अधिक नहीं रखा गया है।

वर्ष 2011 में बनी एरोन कंपोजिट लिमिटेड विभिन्न औद्योगिक उपयोग के लिए तैयार किए गए एफआरपी पुलट्रूडेड प्रोडक्ट्स, एफआरपी मोल्डेड ग्रेटिंग्स और एफआरपी रॉड्स सहित फाइबर ग्लास रीइनफोर्स पॉलिमर प्रोडक्ट्स यानी एफआरपी प्रोडक्ट्स के निर्माण और आपूर्ति के व्यवसाय में लगी हुई है।

ISO 9001:2015 द्वारा प्रमाणित कंपनी की विनिर्माण सुविधा अहमदाबाद के चांगोदर में साकेत औद्योगिक एस्टेट में स्थित है और 26,320 वर्ग मीटर में फैली हुई है। विनिर्माण सुविधा एफआरपी पल्ट्रूडेड प्रोडक्ट्स, एफआरपी हैंडिल, एफआरपी केबल ट्रे, एफआरपी फेन्सिंग, एफआरपी मोल्डेड ग्रेटिंग, एफआरपी क्रॉस आर्म, एफआरपी पोल्स, एफआरपी रोड्स और सोर पैनलों के लिए मॉड्यूल माउंटिंग स्ट्रक्चर्स (एमएमएस) के डिजाइन, निर्माण और आपूर्ति के लिए प्रमाणित है। कंपनी 30 से अधिक देशों में निर्यात करती है।

गुजरात में भारी बारिश के कारण मुंबई से अहमदाबाद जाने वाली कई ट्रेनें रद्द

अहमदाबाद, 27 अगस्त

गुजरात में लगातार हो रही भारी बारिश के कारण मुंबई और अहमदाबाद के बीच ट्रेन सेवा प्रभावित हुई है. रेलवे अधिकारियों को कई ट्रेनों को रद्द करना पड़ा और उनका मार्ग बदलना पड़ा। लगातार बारिश के कारण मुंबई-अहमदाबाद रेल कॉरिडोर के विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर जलभराव हो गया है, जिससे स्थिति और जटिल हो गई है और मेल-एक्सप्रेस ट्रेन सेवाओं में बड़ी बाधा उत्पन्न हुई है।

इतना ही नहीं, इसने यातायात की एक बड़ी समस्या पैदा कर दी है, जिससे लोगों के लिए आवागमन या अपनी नियमित गतिविधियों को पूरा करना मुश्किल हो गया है। प्रतिकूल मौसम की स्थिति के कारण कई ट्रेन सेवाएं रद्द कर दी गई हैं। विशेषरूपसे, वडोदरा डिवीजन के बाजवा स्टेशन पर जलभराव के कारण दुरंतो, हमसफर, सयाजीनगरी सहित इंटरसिटी ट्रेनों को आज रद्द कर दिया गया, जबकि कुछ ट्रेनों को डायवर्ट किया गया जिससे यात्रियों के लिए यात्रा मुश्किल हो गई। मुंबई सेंट्रल दुरंतो एक्सप्रेस (12268), जामनगर-बांद्रा टर्मिनस हमसफर एक्सप्रेस (22924), दादर-भुज सयाजिनगरी एक्सप्रेस (20907), वडनगर-वलसाड सुपर फास्ट एक्सप्रेस (20960), बांद्रा टर्मिनस-भुज कच्छ एक्सप्रेस (22955), बांद्रा टर्मिनस-भावनगर सुपरफास्ट एक्सप्रेस शामिल हैं। इसके अलावा कल की दादर-भुज सयाजी नगरी एक्सप्रेस, बांद्रा टर्मिनस-भुज कच्छ एक्सप्रेस (22955), भुज-गांधीनगर कैपिटल स्पेशल, मुंबई सेंट्रल-अहमदाबाद गुजरात एक्सप्रेसऔरगुरुवार की बोरीवली-अहमदाबाद एक्सप्रेस (19417) शामिल हैं. इसके अलावा इंदौर-मुंबई सेंट्रल अवंतिका एक्सप्रेस, बांद्रा टर्मिनस-जयपुर सुपरफास्ट एक्सप्रेस, दादर-भगत की कोठी, दादर-बीकानेर, बांद्रा टर्मिनस-बीकानेर, बांद्रा टर्मिनस-दिल्ली सराय रोहिल्ला गरीब रथ आदि ट्रेनों के समय में बदलाव किया गया है। इसके अलावा आज भुज-शालीमार साप्ताहिक एक्सप्रेस, जोधपुर-बांद्रा टर्मिनस सूर्यनगरी एक्सप्रेस को अजमेर-चंदेरिया-रतलाम-गोधरा-वडोदरा रूट पर चलाया गया।

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादक: लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122, 9327086467 R.N.I. 63177/95